पेज-5 आईपीएस भारती सिंह बनी गाजियाबाद की नई एडीशनल पुलिस कमिश्नर

दिल्ली, गाजियाबाद, एनसीआर व उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रसारित

विशेष खबर

खबरों पर गहरी नजर

Follow us on @VisheshKhabartv www.visheshkhabar.in @visheshkhabar6115 9711345310

वर्षः 6 अंकः 8 | हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र | गाजियाबाद, सोमवार 26 जून 2023 | visheshkhabar.tv@gmail.com | RNI NO :UPHIN/2017/74151 | पृष्ठः 6 मूल्यः 5 रूपये

अन्दर के पेजों पर

2 संपादकीयः कितनी सफल रही विपक्षी एकता की कवायद, कुनबा जोड़ना होगा टेढी खीर

3 क्या कहती हैं बिहार के सीएम नीतिश कुमार की कुंडली

4 विपक्षी एकता की बारात निकलते ही 'रूठे फूफा' बन गए केजरीवाल

6 विशेष खबर मीडिया के प्रधान संपादक बने ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

मोदी का दबदबा कायम, फिर बने दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

अमेरिकी डाटा रिसर्च एजेंसी कंसल्ट की ताजा अप्रूवल रेंटिंग में 76 फीसदी रेटिंग के साथ मोदी पहले पायदान पर

अमेरिका में अभूतपूर्व स्वागत, मिश्र में सर्वोच्च सम्मान और अमेरिकी रिसर्च एजेंसी के सर्वे में सबसे लोकप्रिय नेता चुने गए मोदी की कहानी देश में उन लोगों के मुंह पर तमाचा हैं जो उन्हें चौथी पास राजा या हिटलर कहते हैं।

'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे में तीसरी बार भी मोदी ही पीएम

सुनील वर्मा @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। दुनियाभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का डंका बज रहा है। देश हो या विदेश, सभी जगह प्रधानमंत्री मोदी को चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संवैधानिक पद पर रहते हुए 21 साल और प्रधानमंत्री पद पर नौ साल पूरे करने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी आज भी लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। तमाम चुनौतियों के बावजूद उनकी लोकप्रियता कायम है। अमेरिकी डाटा रिसर्च एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट ने दुनिया के नेताओं की ताजा अप्रूवल रेटिंग जारी की है, जिसमें 76 प्रतिशत रेटिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी पहले पायदान पर बने हुए हैं। जबकि दुनिया में ताकतवर देश समझे जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 40 प्रतिशत रेटिंग के साथ आठवें नंबर पर हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के अथक परिश्रम, लगन, समर्पण, जनसेवा और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का परिणाम है।

मॉर्निंग कंसल्ट की ताजा रेटिंग के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी 76 प्रतिशत रेटिंग के साथ पहले पायदान पर हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद स्विटजरलैंड के एलेन बर्सेट को 60 प्रतिशत रेटिंग मिली है। तीसरे नंबर पर मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुएल लोपेज ओब्राडोर और चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के एंथनी अल्बानीस हैं। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 40 प्रतिशत रेटिंग के साथ आठवें नंबर पर हैं। गौरतलब है कि मॉर्निंग कंसल्ट की ताजा रेटिंग 14 से 20 जून 2023 के दौरान इकट्ठा किए गए डेटा पर आधारित है। यह एजेंसी 22 देशों के ताजा डेटा के साथ वीकली अपडेट देती रहती है। ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, स्पेन, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, यूके और अमेरिका के नेताओं को शामिल कर रेटिंग तैयार की जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी नौ साल से देश के सबसे शक्तिशाली पद पर विराजमान है। इस दौरान तमाम चुनौतियां आईं और गईं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी देश की जनता के दिलों पर राज कर रहे हैं। उनकी विश्वसनीयता और लोकप्रियता आज भी कायम है और आगे भी जारी रहेगी। इसका संकेत इंडिया टुडे के 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे से मिलता है। इस सर्वे के मुताबिक अगर आज चुनाव हुए तो नरेन्द्र मोदी प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। सर्वे में शामिल 52 प्रतिशत लोगों ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी पसंद बताया है। वहीं लोगों की राय में अब तक देश के जितने भी प्रधानमंत्री हुए हैं, उनमें सबसे लोकप्रिय नरेन्द्र मोदी हैं।

सर्वे के अनुमान बताते हैं कि अगर आज चुनाव हों तो बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए को 298 सीटें जीत सकती है। इसमें अकेले बीजेपी को 284 सीटें मिल सकती है, जो स्पष्ट बहुमत से 12 सीटें अधिक है। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री पूर्ण बहुमत के साथ तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

नरेन्द्र मोदी 52 प्रतिशत लोगों की पसंद

सर्वे के ताजातरीन आंकड़ों में प्रधानमंत्री मोदी लोकप्रियता के मामले में अपने विरोधियों से काफी आगे नजर आ रहे हैं। सर्वे में करीब 52.5 प्रतिशत लोगों ने अगली बार भी प्रधानमंत्री के लिए नरेन्द्र मोदी का समर्थन किया है। वहीं, सर्वे में 14 प्रतिशत लोगों का मानना है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। 5 प्रतिशत लोगों ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और 4 प्रतिशत लोगों ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को भारत के अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखा।

अब तक के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी देश ही नहीं विदेशों में भी काफी लोकप्रिय हैं। ह्यमूड ऑफ द नेशनह्न सर्वे में एक महत्वपूर्ण सवाल था कि भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रधानमंत्री कौन है? इसके जवाब में 47 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी को अब तक का सबसे बेहतरीन प्रधानमंत्री बताया। वहीं, अटल बिहारी बाजपेयी को 16 प्रतिशत लोगों ने वोट दिए। सर्वे में शामिल 12 प्रतिशत लोगों ने इंदिरा गांधी को अब तक का सबसे बेहतरीन प्रधानमंत्री बताया। वहीं, मनमोहन सिंह को 8 प्रतिशत और जवाहर लाल नेहरू को 4 प्रतिशत वोट मिले।

इंडिया टुडे-सीवोटर सर्वेः 53 प्रतिशत लोगों की पसंद पीएम मोदी

इंडिया टुडे-सीवोटर सर्वे के मुताबिक, प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी सबसे ज्यादा पसंदीदा चेहरा हैं। सर्वे में वो 53 प्रतिशत वोटों के साथ सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच वोटों का अंतर काफी ज्यादा है। उन्हें सिर्फ 9 प्रतिशत वोट मिले हैं। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 6 प्रतिशत वोटों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। यानी फिलहाल कोई विपक्षी चेहरा प्रधानमंत्री पद के लिए पर उतना लोकप्रिय नहीं है। सर्वे के मुताबिक लोकसभा चुनाव में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं।

इंडिया टीवी-मैट्रिज न्यूज कम्युनिकेशन का सर्वेः पीएम मोदी नंबर वन

इंडिया टीवी-मैट्रिज न्यूज कम्युनिकेशन के देशव्यापी ओपिनियन पोल से पता चलता है कि आज भी जनता पर प्रधानमंत्री मोदी का जादू कायम है। इस सर्वे के मुताबिक प्रधानमंत्री पद के लिए नरेन्द्र मोदी 48 प्रतिशत लोगों की पसंद है। अगर अभी लोकसभा के चुनाव हुए तो प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) लोकसभा की कुल 543 में से 362 सीटों पर शानदार जीत दर्ज कर सकता है।

इंडिया टीवी-मैट्रिज न्यूज कम्युनिकेशन का सर्वेः पीएम मोदी नंबर वन

इंडिया टीवी-मैट्रिज न्यूज कम्युनिकेशन के देशव्यापी ओपिनियन पोल से पता चलता है कि आज भी जनता पर प्रधानमंत्री मोदी

का जादू कायम है। इस सर्वे के मुताबिक प्रधानमंत्री पद के लिए नरेन्द्र मोदी 48 प्रतिशत लोगों की पसंद है। अगर अभी लोकसभा के चुनाव हुए तो प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) लोकसभा की कुल 543 में से 362 सीटों पर शानदार जीत दर्ज कर सकता है।

मोदी ने फिर बढाया विश्व में भारत का मान, मिस्त्र ने दिया सर्वोच्च सम्मान

संवाददाता @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। अमेरिका में भारत की ताकत और अपनी लोकप्रियता का डंका बजाने के बाद मिश्र की यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिस्त्र के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द नाइल' से रविवार को राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने सम्मानित किया। वर्ष 1915 में शुरू किया गया यह पुरस्कार उन राष्ट्राध्यक्षों, राजकुमारों और उपराष्ट्रपतियों को प्रदान किया जाता है जो मिस्त्र या मानवता को अमूल्य सेवाएं प्रदान करते हैं।

'ऑर्डर ऑफ द नाइल' एक शुद्ध सोने का कॉलर है, जिसमें फैरोनिक प्रतीकों वाली तीन- वगार्कार सोने की इकाइयां शामिल हैं। पहली इकाई राज्य को बुराइयों से बचाने के विचार से मिलती जुलती है, दूसरी इकाई नील नदी द्वारा लाई गई समृद्धि और खुशी से मिलती जुलती है और तीसरी इकाई धन और सहनशक्ति को संदर्भित करती है।

संगठनों द्वारा प्रदान किए गए पुरस्कार

पीएम मोदी को 2018 में सियोल शांति पुरस्कार सांस्कृतिक फाउंडेशन द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जो उन लोगों को पुरस्कार देता है जिन्होंने मानव जाति के सद्भाव, राष्ट्रों के बीच मेल-मिलाप और विश्व शांति में योगदान के माध्यम से अपनी पहचान बनाई है। उसी साल प्रधानमंत्री को वैश्विक मंच पर पर्यावरण नेतृत्व के लिए 2018 में संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी को ग्लोबल गोलकीपर पुरस्कार 2019 में स्वच्छ भारत अभियान के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया था। जबकि वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार 2021 में वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण के भविष्य के प्रति नेतृत्व की प्रतिबद्धता के लिए कैम्ब्रिज एनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स (शेरा) द्वारा प्रदान किया गया था।

पीएम मोदी को कई देशों ने दिया है सर्वोच्च राजकीय सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया गया यह 13वां

प्रवासी भारतीयों ने नरेन्द्र मोदी से कहा- 'आप भारत के हीरो हैं...'

सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। मोदी को उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिका, रूस और मध्य पूर्व सहित विभिन्न देशों से कई मानद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। पिछले महीने, पीएम मोदी को उनके वैश्विक नेतृत्व और ग्लोबल साउथ के मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए फिजी और पापुआ न्यू गिनी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था।

'आप भारत के हीरो हैं...' प्रधानमंत्री मोदी से बोले मिस्त्र में रह रहे भारतीय समुदाय के लोग

मिस्त्र में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भरपूर प्रशंसा की और उन्हें 'भारत का हीरो' बताया। वह 26 वर्षों में रणनीतिक रूप से स्थित पश्चिम एशियाई देश की द्विपक्षीय यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका की राजकीय यात्रा के समापन के बाद जब पीएम मोदी काहिरा पहुंचे तो रिट्ज कार्लटन होटल में उनका जोरदार स्वागत किया गया, जहां उन्होंने अलग-अलग समूहों में प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत की। इस दौरान अधिकांश सदस्यों ने अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में पीएम मोदी के ऐतिहासिक संबोधन और उनके नेतृत्व में देश की आर्थिक प्रगति की सराहना की।

पीएम मोदी अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दो बार संबोधित करने वाले पहले भारतीय नेता बन गये। इसे लेकर भारतीय समुदाय के एक सदस्य ने मोदी से कहा, 'आप भारत के हीरो हैं'। इसके जवाब में पीएम मोदी ने कहा कि विदेश में रह रहे लोगों समेत प्रत्येक भारतीय ने देश की सफलता में योगदान दिया है।

पीएम मोदी बोले- सारा हिन्दुस्तान सबका हीरा है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'सारा हिंदुस्तान सबका हीरो है. देश के लोग मेहनत करते हैं, देश की तरक्की होती है।' उन्होंने कहा, 'यह आपकी मेहनत का नतीजा है। आपकी तपस्या काम कर रही है ।' पीएम मोदी ने बोहरा समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात की, जिनका उनके गृह राज्य गुजरात से गहरा नाता है।

हमारी संस्कृति पर हो रहे हमलों को लेकर लोगों को जागरूक करें सांस्कृतिक योद्धाः सीएम योगी

विशेष संवाददाता @visheshkhabar.in

गौतमबुद्धनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा स्टेडियम से आपातकाल की 48वीं बरसी पर 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर तैयार हो रहे विपक्षी गठजोड़ पर जमकर हमला बोला। साथ ही सीएम ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की 1719 करोड़ की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने देश के लोकतंत्र को बचाने वाले सभी ज्ञात और अज्ञात लोकतंत्र सेनानियों की स्मृतियों को नमन किया।

इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि जैसे काशी दिव्य आभा के साथ वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर रही है। वैसे ही अयोध्या भी नई अयोध्या के रूप में जगमगा रही है। दुनिया में रह रहा हर सनातन धर्मावलंबी और भारत का शुभचिंतक जनवरी 2024 का इंतजार कर रहा है, जब भगवान रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। उन्होंने कहा कि सवा तीन वर्ष से अपने 80 करोड़ नागरिकों को फ्री में राशन की सुविधा का लाभ देने वाला इकलौता देश भारत है। भारत की यात्रा ऐसे ही चलती रही तो 2027 तक दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में भारत दो बड़ी उपलब्धियों को लेकर वैश्विक मंच पर छा रहा है। पहली उपलब्धि जी-20 की अध्यक्षता और दूसरी उपलब्धि भारत का दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरना है।

कार्यक्रम के पश्चात सीएम योगी ने रविवार को ही गौतमबुद्धनगर विश्वविद्यालय में 'सेव कल्चर सेव इंडिया फाउंडेशन' द्वारा आयोजित 'सेव कल्चर सेव इंडिया मिशन' में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि धर्मांतरण को लेकर कुछ दिनों पहले एक और गिरोह का पदार्फाश हुआ था, जो मूक बधिर बच्चों का धर्मांतरण करा रहा था। धर्मांतरण की घटनाएं सिर्फ उत्तर प्रदेश में नहीं हो रही हैं। ऐसे लोग षडयंत्र के तहत सभ्य परिवारों के बीच अपनी जगह बनाते हैं। आगे क्या होता है वह आप सबके सामने हुआ। हाल ही में दिल्ली और मुंबई में हुई घटनाएं इसका बड़ा उदाहरण है। हमारी सरकार इसको रोकने के लिए अध्यादेश लेकर आई है और कानून उसके हिसाब से कार्य कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि मुगल इस देश में तब तक आराम से शासन करते रहे जब तक

सीएम योगी न नोएडा व ग्रेटर नोएडा की 1719 करोड़ की 124 योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

आपातकाल की बरसी पर योगी ने विपक्षी गठजोड़ पर जमकर हमला बोला

सीएम ने सेव कल्चर सेव इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर सांस्कृतिक योद्धाओं को किया सम्मानित

उन्होंने मंदिरों पर हमला नहीं किया, जब उन्होंने मंदिरों पर हमला करना शुरू किया तो उनका पतन होना शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि सुनने में आता है कि औरंगजेब के वंशज कोलकाता में रिक्शा चला रहे हैं।

देवासुर संग्राम धर्म-अधर्म, सत्य-असत्य और न्याय-अन्याय के बीच ही हुआ था। हर कालखंड में अच्छे और बुरे लोग रहे हैं। आज संस्कृति पर अलग-अलग माध्यमों से हो रहे हैं। महत्वपूर्ण यह है कि अच्छे लोग संस्कृति बचाओ अभियान का हिस्सा बनें और लोगों को जागरूक करें। सामान्य व्यक्ति अपने बहुमूल्य समय में से औसतन 6-8 घंटा अपने मोबाइल पर खर्च करता है। अगर वह अपना समय सही दिशा में कर रहा है तब तो ठीक है, नहीं तो वह पतन की ओर जा रहा है। हमें लोगों को जागरूक करना होगा और उन्हें इस लायक बनाना होगा कि वह समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर सकें।

सांस्कृतिक योद्धा हुए सम्मानित

कार्यक्रम में सीएम योगी ने 'सेव कल्चर सेव इंडिया मिशन' की वेबसाइट लॉन्च की। इसके अलावा भारतीय संस्कृति की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक योद्धाओं को फाउंडेशन की ओर से एक लाख रुपए और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक योद्धाओं को यह सम्मान सीएम योगी ने दिया। इनमें स्वच्छ साइबर भारत आंदोलन चलाने वाले अभय शाह, रचनात्मक ब्रांडिंग और 'एक लड़की' जैसी बहु चर्चित फिल्म बनाने वाले मनीष प्राणिया, वरिष्ठ लेखिका और पिक्सल की सीईओ वैशाली शाह, फिल्म निमार्ता प्रवीण चतुर्वेदी, हिंदू जनजागरण समिति के प्रवक्ता रमेश शिंदे, पत्रकार स्वाति गोयल शर्मा, टीवी एंकर प्रदीप भंडारी, जेम्स ऑफ बॉलीवुड आंदोलन चलाने वाले संजीव नेवर, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन शामिल रहे। इसके अलावा फाउंडेशन से जुड़े व्यापार और राजस्व सलाहकार उत्तम दवे, उद्योगपति उमेश छज्जे और वरिष्ठ अधिवक्ता अमित सिंह को भी सीएम योगी ने शाल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय माहुरकर, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', संसदीय कार्य तथा औद्योगिक विकास के राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी, लोकनिर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह समेत विश्विद्यालय के शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

सार समाचार

पुरूष हाकी जूनियर विश्व कप 2023 का शेडयूल हुआ जारी

संवाददाता @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। भारत 2023 एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप के शुरूआती दिन पांच दिसंबर को ग्रुप सी में दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा। टूनार्मेंट का आयोजन पांच से 16 दिसंबर तक बुकित जलील स्थित नेशनल हॉकी स्टेडियम में होगा। भुवनेश्वर में हुए हुए पिछ्ले विश्व कप (2021) में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम को ग्रुप चरण में अपेक्षाकृत आसान ड्रा मिला है। शनिवार को यहां जारी ड्रॉ के मुताबिक ग्रुप सी में भारत और दक्षिण कोरिया के अलावा स्पेन और कनाडा की टीमें है।

भारतीय टीम ग्रुप चरण में सात दिसंबर को स्पेन जबकि नौ दिसंबर को कनाडा का सामना करेगी। टूनार्मेंट को आधिकारिक तौर पर पुत्रजया के मर्क्योर लिविंग होटल में एक समारोह के दौरान लॉन्च किया गया। मेजबान मलेशिया, गत चैम्पियन अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और चिली के साथ ग्रुप ए में है, जबकि छह बार की चैम्पियन जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्त्र ग्रुप बी में है। नीदरलैंड, बेल्जियम, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है। खेल की शीर्ष संस्था ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ग्रुप का वर्गीकरण एफआईएच जूनियर विश्व रैंकिंग के आधार पर हुआ है जिसमें दुनिया भर की 16 टीमें प्रतिष्ठित खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारत के उत्तम सिंह ने टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा जताया। भारतीय टीम 2001 और 2016 में जूनियर विश्व कप विजेता रही है। जर्मनी और अर्जेंटीना के बाद भारत तीसरी टीम है जिसने 1979 में शुरू हुए इस टूनार्मेंट को एक से अधिक बार जीता है।

मानसून की दस्तक
एक सप्ताह झूमके बरसेंगे बदरा

संवाददाता @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मानसून ने दस्तक दे दी है और अब लोगों को लगातार एक हफ्ते तक बारिश का आनंद उठाने का मौका मिल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली में 1 जुलाई तक लगातार बारिश होने की उम्मीद जताई है। दिल्ली में 26 जून को अधिकतम तापमान केवल 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सोमवार को दिल्ली में आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और मध्यम स्तर की बारिश होगी। इससे एक दिन पहले दिल्ली में 25 जून को अधिकतम तापमान महज 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस कम रह। 25 जून को 48.3 मिमी बारिश दर्ज की गई।

आईएमडी के मुताबिक मॉनसून अब मुंबई, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अधिकांश हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। मानसून की उत्तरी सीमा अब वेरावल, वल्लभ विद्यानगर, उदयपुर, नारनौल, अम्बाला और कटरा से गुजर रही है. अगले 2 दिनों के दौरान गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर में मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। आईएमडी ने 26 जून को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान, महाराष्ट्र, विदर्भ, कोंकण और गोवा में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

योगी राज की सहकारिता में भी भाजपा का परचम

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। इसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राज का ही असर कहा जायेगा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश के जिन 39 जिला सहकारी बैंकों के सभापति और उप सभापति का चुनाव हुआ है वहां पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली है। सहकारिता के क्षेत्र में कोई समय समाजवादी पार्टी का परचम फहराया जाता था। यह भी कहा जाता था कि सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह सहकारिता के कीड़े हैं। लेकिन अब स्थिति उलट चुकी है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एवं केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की रणनीति को परवान चढ़ाने का काम प्रदेश में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर एवं सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने भी परवान चढ़ाया। जिस प्रकार प्रदेश के जिला सहकारी बैंकों पर भाजपा ने कब्जा किया उसे सहकारिता के क्षेत्र में भाजपा की बड़ी जीत माना जा सकता है। पश्चिम में भी भाजपा ने किसान आंदोलन की परछाया के बावजूद सहकारी बैंकों की सीटों पर अपना कब्जा जमाकर अपनी जड़ें और मजबूत कर ली हैं।

महागठबंधन की कहानी कार्टून स्टोरी

संपादकीय

पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे में दिखी भारत की चमक और भारतवंशियों की धमक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा जिस भव्य और आत्मीय स्वागत-सत्कार के बीच संपन्न हुआ, वह कोई सामान्य बात नहीं है। इस राजकीय यात्रा की कामयाबी के पीछे वे अहम समझौते तो हैं ही जो रक्षा और अन्य क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाते हुए दोनों देशों को और करीब लाने वाले हैं, प्यार और सम्मान का वह माहौल भी है जिसने इसे संभव बनाया और जो इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी के हर कार्यक्रम में हर मौके पर दिखा, चाहे वह राष्ट्रपति जो बाइडन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन के दिए डिनर की बात हो या अमेरिकी कांग्रेस में मोदी के भाषण की।

इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा की शुरूआत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से हुई। उनकी राजकीय यात्रा शुरू होती, उससे पहले वह न्यूयॉर्क में थे और उन्होंने वहां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर हुए कार्यक्रम की अगुआई की जो इस मायने में वर्ल्ड रेकॉर्ड साबित हुआ कि इसमें सबसे ज्यादा देशों के लोग शामिल हुए। इस तरह कहा जा सकता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री का स्वागत करने से ऐन पहले दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र ने उसके सॉफ्ट पावर की एक झलक देख ली। इसे अब तक चर्चित हो चुकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक शैली की खास विशेषता माना जा सकता है कि कोई भी बड़ी पहल ऐसी तमाम छोटी-छोटी पहलों से जुड़ी होती है जो जाने अनजाने उसकी ताकत और प्रभाव में अच्छा खासा इजाफा कर देती हैं। अगर भारतीय डायसपोरा की ही बात की जाए तो प्रवासी भारतीयों की संख्या कोई एक दिन में नहीं बढ़ी है, न ही विदेशों में इस समुदाय का स्थान रातोंरात ऊंचा हुआ है। यह प्रक्रिया बरसों से चल रही थी। फिर भी प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दौरान कूटनीति में इसका जैसा सुविचारित प्रयोग शुरू हुआ, वैसा पहले नहीं देखा गया था। इसका एक परिणाम हमें इस रूप में भी दिखता है कि जब किसी शिखर सम्मेलन में दुनिया के प्रमुख देशों के नेता मिलते हैं तो उनकी अनौपचारिक चर्चा का विषय प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता भी होती है।

इसी का एक उदाहरण इसी साल हिरोशिमा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में दिखा जहां अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी की मौजूदा यात्रा की तैयारियों का जिक्र करते हुए बताया कि पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक लोगों की संख्या उन्हें हैरान कर रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने तत्काल इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि उनके देश में भी मोदी बेहद लोकप्रिय हैं। निश्चित रूप से देश का यह सॉफ्ट पावर देश की विदेश नीति को, किसी खास मसले पर उसके रुख को मजबूती देता है। इसी यात्रा के संदर्भ में देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन के लिए जो तोहफे ले गए हैं वे भी काफी कुछ कहते हैं। इन तोहफों में अन्य चीजों के अलावा मैसूर चंदन से बने खास बॉक्स में रखी 10 डिब्बियां भी हैं। इनमें पंजाब का घी, राजस्थान का हाथ से बनाया हुआ 24 कैरेट हॉलमार्क वाला सोने का सिक्का, महाराष्ट्र का गुड़, उत्तराखंड का चावल, तमिलनाडु का तिल, पश्चिम बंगाल के कारीगरों का बनाया हुआ चांदी का नारियल, मैसूर चंदन का एक टुकड़ा, गुजरात का नमक और राजस्थानी कारीगरों का बनाया हुआ शुद्ध चांदी का सिक्का शामिल हैं। ऐसा नहीं कि इस तरह के तोहफे पहले नहीं ले जाए गए, पर अब यह ज्यादा व्यापक और सुविचारित पहल का हिस्सा हैं और इसीलिए भारत के प्रभाव विस्तार में खास भूमिका निभा रहे हैं।

इस सम्मान के पीछे भारत की अपनी ताकत, उसकी बढ़ती इकॉनमी तो है ही, लेकिन खास तौर पर इसका श्रेय जाता है उन भारतवंशियों को जो वहां रहते हुए, न केवल खुद तरक्की कर रहे हैं बल्कि अमेरिका को भी आगे बढ़ा रहे हैं और इस क्रम में वहां अपने लिए एक प्रतिष्ठापूर्ण स्थान बना चुके हैं। अमेरिका में भारतवंशी समुदाय का ऊंचा स्थान अलग-अलग तरीकों से और अलग-अलग रूपों में झलकता है। कमला हैरिस, सत्या नडेला, सुंदर पिचाई जैसे चमकते हुए नाम इसका एक आकर्षक रूप जरूर हैं, लेकिन इसके साथ यह तथ्य भी है कि ये महज अपवाद नहीं। एक समुदाय के रूप में भी भारतीय समुदाय की उपलब्धियां असाधारण और गौरवपूर्ण हैं।

यह जाहिर होता है ठोस आंकड़ों से। सबसे पहले बात की जाए अमेरिका की ओर से जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा की। यह उन लोगों को ही जारी किया जाता है जिनके बारे में अमेरिका मानता है कि ये बेहतरीन दिमाग वाले लोग हैं और अमेरिकी इकॉनमी को रफ्तार दे सकते हैं। 2022 का आंकड़ा है कि अमेरिका ने जितने एच-1बी वीजा जारी किए उनमें से 73 फीसदी भारत में जन्म लेने वाले लोगों को मिले। अभी जो 33 लाख भारतीय अमेरिका में रह रहे हैं, उनमें से 10 लाख इंजीनियर और साइंटिस्ट हैं। चाहे बात पढ़ाई की हो या कमाई की, दोनों मामलों में अमेरिका के इंडियंस बाकी सबसे आगे हैं। वहां 80 फीसदी भारतवंशियों के पास अंडरग्रैजुएट डिग्री है और महज 22 फीसदी ही ऐसे हैं जिन्हें अंग्रेजी समझने में दिक्कत होती है। इस मुकाबले चीनी समुदाय की बात करें तो उनमें 57 फीसदी को अंग्रेजी समझ में ही नहीं आती। कमाई की जहां तक बात है तो भारतवंशियों की औसत पारिवारिक आमदनी डेढ़ लाख डॉलर सालाना है जो अमेरिका में फैमिली इनकम के नैशनल ऐवरेज से दोगुना है। इसके मुकाबले चीनी मूल के अमेरिकियों की औसत पारिवारिक आमदनी 95 हजार डॉलर सालाना ही है। जाहिर है, संख्याबल के साथ-साथ अपनी योग्यता और कर्मठता के दम पर भारतवंशियों ने वहां ऐसी जगह बनाई है कि कोई भी उनकी उपलब्धियों को अनदेखा नहीं कर सकता। इसका फायदा खुद उन्हें तो मिल ही रहा है, उनके मूल देश भारत को भी मिल रहा है और यह आगे भी मिलता रहने वाला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की हालिया राजकीय यात्रा को इस मायने में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि इससे उद्योग व व्यापारिक रिश्तों को नये आयाम मिले हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे की जरूरत का पता इस बात से चलता है कि पिछले एक दशक में दोनों देशों का व्यापार दुगना और चीन से ज्यादा हो गया है। जो न केवल दोनों देशों बल्कि वैश्विक आर्थिकी के भी अनुकूल है। बल्कि अमेरिकी अब भारत को चीन के विकल्प रूप में देखता है। यही वजह है कि कुछ मतभेदों के बावजूद अमेरिका भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में देखता है।

कितनी सफल रही विपक्षी एकता की कवायद, कुनबा जोड़ना होगा टेढी खीर

विनीतकांत पाराशर
प्रधान संपादक

बहुप्रतिक्षित विपक्षी एकता की पटना बैठक बिना किसी नतीजे के संपन्न हो गई है और अगले महीने इसकी दूसरी बैठक शिमला में मल्लिकार्जुन खडगे के नेतृत्व में आगे बढ़ेगी जिसके बाद साफ होगा कि विपक्षी एकता का मुद्दा कितना परवान चढ़ेगा। हालांकि इस पहली बैठक में दलों की खटास और दूसरी साफ दिखी लेकिन इतने बड़े कुनबे को एक साथ लाना टेढी खीर तो हैं ही इसलिए माना जा सकता है कि अगर विपक्षी एकता की कवायद क-ाफी हद तक सफल भी रही अगर शिमला बैठक में सर्वसम्मति से कुछ सार्थक फैंसले हुए तो बात बन सकती है।

बिहार की राजधानी पटना में आम चुनाव 2024 से ठीक 10 माह पहले हुई प्रमुख विपक्षी दलों की बैठक पर पूरे देश की नजर थी। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार के निवास पर हुई बैठक एक हद तक सफल भी रही, लेकिन इसका नतीजा कुछ नही निकला। क्योंकि बैठक के बाद ऐलान हुआ कि एक और बड़ी बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में 10-12 जुलाई को होगी। इस घोषणा से साफ है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विपक्षी दलों का संयोजक बनाने का फैंसला नहीं हुआ है। हां करीब प्रदंह दल एक साथ एक मुद्दे पर एक साथ जुटे ये उपलब्धि जरूर कही जाएगी।

लेकिन बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को वह भाव और जगह नहीं मिली, जिसके कि वह स्वाभाविक हकदार हैं। शायद यही अनुमान लगाते हुए रालोद मुखिया जयंत चौधरी बैठक से दूर रहे, जबकि कभी चौथे मोर्चे की मुखिया रहीं बसपा नेत्री व यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती शुरू से ही तीसरे मोर्चे की बैठकों से परहेज करती आई हैं, क्योंकि इसमें ओबीसी नेताओं की बहुतायत है, जो दलित नेतृत्व को कम भाव देते आये हैं। हालांकि रालोद व बसपा दोनों दल यूपी में कांग्रेस से गठबंधन के हिमायती हैं।

उड़ीसा के मुख्यमंत्री व बीजद नेता नवीन पटनायक, तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बीआरएस (पूर्व नाम टीआरएस) केसीआ-र, आंध्रप्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और जेडीएस के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने भी इस बैठक से साफ दूरी बना ली। आंध्रप्रदेश की टीडीपी के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री चन्द्र बाबू नायडू, एआईएमआईएम के नेता ओवैसी, यूपी की पीस पार्टी, बिहार की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम), हरियाणा की ओम प्रकाश चौटाला की इनैलो, पंजाब का अकाली दल बादल आदि जो कभी एनडीए के अंग रहे थे उनको एनडीए से सियासी डील की तलाश हैं इसीलिए उन्होंने विपक्षी एकता से

दृष्टिकोण

दूरी बनाकर रखी।

अगर विपक्षी एकता की चाल, चरित्र और चेहरा की बात करें तो इसके बारे में अभी सिर्फ इतना कहाना उचित होगा कि विपक्षी दल ये तो चाहते हैं कि भाजपा को सत्ता से हटा दें , लेकिन विपक्षी एकता के नेतृत्व पर सबकी अपनी ढफली अपना राग वाली कहानी है। अगली मीटिंग बस कुछ ही दिनों में होगी जिसमें एकजुटता को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। मतलब साफ है कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा, न्यूनतम साझा कार्यक्रम क्या होगा, किस राज्य में कौन कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगा, यह सब कुछ शिमला बैठक के बाद ही पता चल पाएगा। बताया गया है कि यह बैठक 10-12 जुलाई को शिमला में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुवाई में होगी। जिसका मतलब साफ है कि जिन्हें कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार है, वो शिमला पहुंचेंगे और जिन्हें किन्तु-परन्तु करना है, वो वहां से दूर रहेंगे।

पटना बैठक में मेजबान दल जदयू के नीतीश कुमार, राजद के लालू प्रसाद, उनके पुत्र व बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा नेता अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री व झामुमो नेता हेमंत सोरेन, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस नेत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल, उनके सहयोगी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, एनसीपी नेता व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार, शिवसेना उद्धव गुट के नेता व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाक रे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व डीएमके नेता एम के स्टालिन, भाकपा नेता डी राजा, माकपा नेता सीताराम येचुरी, भाकपा माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य, पीडीपी नेत्री और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, नेशनल कांफ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आदि शामिल हुए।

शिमला में 10 से 12 जुलाई के बीच जो बड़ी बैठक की जाएगी। उसमें सभी राज्यों के लिए अलग-अलग सीटों पर चर्चा होगी। एजेंडा भी तय होगा। कॉमन मिनीमम प्रोग्राम तय होगा, दलों का नेतृत्व कौन करें, चुनाव बाद पीएम उम्मीदवार के लिए क्या फार्मूला हो जैसे मुद्दे तय किए जाऐंगे।

विपक्षी एकता को लेकर हुई बैठक की खास बात ये रही कि कांग्रेस की मौजूदगी के बावजूद ममता बनर्जी ने कहा कि पटना से अच्छी शुरूआत हुई है। कुल तीन चीजों पर सहमति बनी है। पहली कि हम सब एक हुए हैं। दूसरी बात यह है कि हम सब एक साथ चुनाव लड़ेंगे। और तीसरा यह कि शिमला में फिर अगली बैठक होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा की तानाशाही को खत्म करना हैं तो एक जुट होना ही होगा।

वैसे इस बैठक को सफल इसलिए भी माना जा सकता है कि अलग अलग विचारधारा के दलों के नेताओं को एक जुट करना छोटी बात नहीं है। ये शुरूआत ही कल शायद किसी मुकाम पर पहुंचे।

उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, उद्धव ठाकरे, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, अखिलेश यादव, सीताराम येचुरी और शरद पवार ने जहां साफ कहा कि विपक्ष का एकजुट होना वक्त की सबसे बडी जरूरत है तो विपक्षी महा बैठक पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सटीक सवाल खड़े करते हुए पूछा कि बैठक में शिवसेना है, क्या वो सेक्युलर हो गई हैं? बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी हैं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का भाजपा का समर्थन किया था। केजरीवाल ने भी कांग्रेस से अध्यादेश पर आप को समर्थन की बात कहकर विवाद खडा करने की कोशिश की लेकिन गुणा भाग करके देखा जाए तो ये शुरूआत थी जिस सफल कह सकते हैं क्योंकि अलग बिखरे कुनबे को जोडना टेढी खीर तो होताा है।

नज़रिया

सुनील वर्मा
पत्रकार व लेखक

पीएम मोदी की अमेरिका-मिस्र यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ?

पीएम नरेंद्र मोदी अपनी अमेरिका और मिस्र की राजकीय यात्रा से रविवार को भारत लौट आए हैं। अमेरिका से रक्षा, अंतरिक्ष सहित अन्य क्षेत्रों को लेकर चर्चा और समझौते हुए है तो दूसरी ओर मिस्र के साथ भी कृषि सहित अन्य क्षेत्रों में बेहद अहम समझौते हुए हैं। पीएम मोदी ने अमेरिका पहुंचकर राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। यह उनकी पहली राजकीय यात्रा थी इसमें भारत और अमेरिका ने आपसी वाणिज्य, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, सेमीकंडक्टर डील, 5जी और 6जी दूरसंचार और ओपन सोर्स आधारित दूरसंचार नेटवर्क, क्वांटम और एडवांस कंप्यूटिंग के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के बढ़ावा देने संबंधी कई समझौते हुए हैं।

भारत और अमेरिका के बीच हुआ सबसे अहम रक्षा सौदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका के बीच सबसे अहम सौदा रक्षा क्षेत्र में हुआ। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओए) हो गया है। इससे रक्षा क्षेत्र में बहु प्रतीक्षित विकास होगा। इस समझौते से अमेरिका से सबसे आधुनिक जेट इंजन तकनीक भारत को मिल सकेगी। जेट इंजन एफ 414 के संयुक्त निर्माण से दोनों देशों को फायदा होगा।

अमेरिका जाना होगा आसान, सरकार ने की पहल

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा है कि उनकी सरकार भारतीय श्रमिकों के लिए अमेरिकी वीजा पाना और उनके रीन्यूवल को आसान कर देगी। घरेलू स्तर पर वीजा नवीनीकरण के लिए पायलट कार्यक्रम होगा।

सेमीकंडक्टर को लेकर दोनों देशों के बीच हुआ समझौता

अमेरिका की कंप्यूटर मेमोरी चिप विनिमार्ता माइक्रोन टेक्नोलॉजी एक बड़ा निवेश कर रही है। यह कंपनी गुजरात में अपना सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण संयंत्र लगाएगी, जिसपर कुल 2.75 अरब डॉलर (22,540 करोड़ रुपये) का निवेश होगा। दोनों नेताओं ने भारत में सेमीकंडक्टर शिक्षा और कार्यबल के विकास में तेजी लाने के लिए 60,000 भारतीय इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने के लैम रिसर्च के प्रस्ताव का स्वागत किया। उन्होंने एक सहयोगी इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित करने के लिए 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करने के लिए एप्लाइड मैटेरियल्स इंक की घोषणा का भी स्वागत किया।

मिस्र के राष्ट्रपति के साथ की बैठक

पीएम मोदी ने मिस्र की राजकीय यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की और काहिरा में दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और ऊर्जा के क्षेत्र में अहम साझेदारी की। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

मिस्र से 4 महत्वपूर्ण समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने दोनों देशों के बीच एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मिस्र दौरे के दौरान 4 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं. दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा कृषि क्षेत्र, स्मारकों की सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

खरी बात

अरविंद शर्मा
पत्रकार व स्तंभकार

क्या मुस्लिमों को बीजेपी से जोड़ पाएंगे 'मोदी मित्र'

बीजेपी का अल्पसंख्यक मोर्चा इन दिनों देश भर में मोदी मित्र बना रहा है। मोदी मित्र उन लोगों को बनाया जा रहा है जो बीजेपी से नहीं जुड़े हैं और ना ही फिलहाल बीजेपी की सदस्यता लेना चाहते हैं। अल्पसंख्यक मोर्चा ने गुजरात विधानसभा चुनाव और यूपी विधानसभा चुनाव में भी वहां मोदी मित्र बनाने शुरू किए थे। अल्पसंख्यक मोर्चा का मानना है कि इसका फायदा भी हुआ। बीजेपी के ह्यसंपर्क से समर्थनह्ल अभियान के बीच पार्टी का अल्पसंख्यक मोर्चा मोदी मित्र बनाने की कवायद में जुटा है। क्या इससे बीजेपी और मुस्लिमों के बीच की दूरी कम होगी?

किन्हें बना रहे हैं मोदी मित्र

अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी ने बताया कि हम ऐसे लोगों को मोदी मित्र बना रहे हैं जो किसी पार्टी से ताल्लुक नहीं रखते, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को सराहते हैं। हम उन्हें मोदी मित्र का सर्टिफिकेट भी दे रहे हैं। इसमें मस्जिद के इमाम सहित अलग-अलग पेशे से जुड़े लोग हैं। सिद्दिकी ने कहा कि इसका अच्छा असर हो रहा है। हम जिन्हें मोदी मित्र बना रहे हैं वह मोदी मित्र का सर्टिफिकेट अपने घरों में फ्रेम कर लगवा रहे हैं।

एक लोकसभा में 5 हजार मोदी मित्र का टारगेट

उन्होंने कहा कि अब तक हर लोकसभा सीट में 500 से 600 तक मोदी मित्र बन गए हैं। हमारा टारगेट एक लोकसभा में 5000 मोदी मित्र बनाने का है। एक विधानसभा में 700-750 मोदी मित्र बनाने का टारगेट है। अल्पसंख्यक मोर्चा ने मोदी मित्र बनाने के लिए 64 ऐसी लोकसभा सीटों की पहचान की है, जहां मुस्लिम आबादी 30 पर्सेंट या इससे ज्यादा है। सिद्दिकी ने कहा कि अब मुस्लिमों में बीजेपी से जुड़ने को लेकर हिचक दूर हुई है। वह भ्रम और सचाई का फर्क समझते हैं। पहले बीजेपी को लेकर कई तरह के भ्रम फैलाए गए थे, जो अब दूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से ऐसे लोग हैं जो किसी भी पार्टी से जुड़ना नहीं चाहते। बहुत से सरकारी कर्मचारी हैं जो किसी पार्टी के सदस्य नहीं हैं, हम उन्हें मोदी मित्र बना रहे हैं।

बीजेपी की जगह मोदी का सहारा

सिद्दिकी भले ही कह रहे हैं कि मुस्लिमों के बीच हिचक दूर हुई है, लेकिन बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के ही कई कार्यकताओं से बात करने पर उन्होंने बताया कि अब भी कई जगह मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर बीजेपी की बात करने पर लोग तरह-तरह के सवाल पूछते हैं। उन्होंने कहा कि चुनौतियां तो हैं ही लेकिन हम काम कर रहे हैं। हम मुस्लिम बस्तियों में जाकर कह रहे हैं कि मोदी के नाम पर साथ आइए। हम उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में बता रहे हैं, जिसका फायदा मुस्लिम समाज को भी मिल रहा है। हम उनसे बीजेपी से जुड़ने को नहीं कर रहे हैं। हम उन्हें मोदी मित्र बनने को कह रहे हैं। इसका असर भी दिख रहा है।

क्या करेंगे मोदी मित्र

जमाल सिद्दिकी ने कहा कि मोदी मित्र के जरिए हम मुस्लिम समुदाय तक बीजेपी की नीतियों और सोच को लेकर जाएंगे। साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं की भी जानकारी देंगे। मोदी मित्र बनाने के बाद हम लोकसभा वार संवाद कार्यक्रम करेंगे। जिसमें मोदी मित्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा और सरकार की योजनाओं को लेकर कोई कंफ्यूजन है तो उसे दूर किया जाएगा। जिससे वह फिर जब समाज में जाएं तो लोगों को मदद कर सकें। वह केंद्र सरकार की सभी जनहितकारी योजनाओं का पूरी तरह लाभ ले सकें।

मुस्लिम समाज के लोगों से संवाद

मोदी मित्र के जरिए पार्टी के लोग समाज के लोगों से मिलेंगे और संवाद स्थापित करेंगे। मोदी मित्र एक कड़ी का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों को बता रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर स्कीम से अल्पसंख्यक समाज को फायदा हो रहा है। सिद्दिकी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इस्लाम की सीख है और मोदी जी इस्लामिक काम ही कर रहे हैं। यूनिफॉर्म सिविल कोड से भी मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ में बेटे को संपत्ति का 75 पर्सेंट हिस्सा मिलता है और बेटी को 25 पर्सेंट हिस्सा ही मिलता है। यूसीसी लागू होने से बेटी संपत्ति में बराबर की हिस्सेदार होंगी। इसी तरह महिलाओं को गोद लेने का अधिकार नहीं है जो यूसीसी लागू होने के बाद उन्हें मिल जाएगा। देश भर में मोदी मित्र बनाने के बाद अल्पसंख्यक मोर्चा की योजना है कि मोदी मित्रों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलाया जाएगा। जमाल सिद्दिकी ने कहा कि हम दिसंबर या जनवरी में मोदी मित्रों का एक बड़ा कार्यक्रम करेंगे जिसमें प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे।

कांग्रेस को आखिर क्यों नहीं सुहा रहा गीता प्रेस को पुरस्कार

धर्मेन्द्र पांडे , @visheshkhabar.in

गीता प्रेस गोरखपुर का इतिहास बहुत ही शानदार रहा है। हिंदुओं के धार्मिक ग्रंथो का प्रकाशन करता है। भगवत गीता की अब तक 16 करोड़ से ज्यादा प्रतियां गीता प्रेस छाप चुका है। इसके साथ ही कल्याण इसकी लोकप्रिय पुस्तिका है। भारत में ही नहीं पूरे विश्व में हिंदुओं के धर्म ग्रंथ का सबसे बड़ा प्रकाशन भी एक अकेला यहीं संस्थान है। लोगों को याद है कि जब कुछ वर्ष पूर्व यह खबरें चली थी कि गीता प्रेस आर्थिक संकट से जूझ रहा है तथा बंद भी हो सकता है उस समय लोग कितने व्यथित हुए थे इसका भी अंदाजा शायद हर किसी को नहीं है।

अब केंद्र सरकार ने गांधी शांति पुरस्कार के लिए गीता प्रेस गोरखपुर का चुनाव किया है। इस चुनाव ने कांग्रेस के थिक टैंक को जाने वाले जयराम रमेश को परेशान कर दिया। उन्होंने गीता प्रेस जैसे संस्थान को पुरस्कार दिये जाने पर इसकी तुलना गोडसे और सावरकर से की। इसके बाद से पूरे देश में इसका लेकर भूचाल है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो तत्काल जयराम रमेश और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए दोनों को एक्सीडेंटल हिंदू बताते हुए कहा ये गीता प्रेस को मिले सम्मान को पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस के लिए ये निर्लजता की बात है कि वह अपनी विरासत के प्रति इतना गंदा रवैया रखती है।

हिंदू समाज में जयराम रमेश के बयान को कांग्रेस का बयान माना जा रहा है। इसके साथ ही कांग्रेस में भी एक बड़ा वर्ग जयराम रमेश के बयान से इत्तेफाक नहीं रखता। इनका मानना है कि ऐन चुनाव के समय जयराम रमेश का बयान कांग्रेस के लिए घाटे का सौदा होगा। इसको लेकर यह भी कहा जा सकता है कि जय राम रमेश कांग्रेस में दिग्विजय सिंह और मणिशंकर अय्यर का स्थान लेना चाहते हैं। हालांकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा चुनाव के समय चाहे खुद को बड़ा हिंदू साबित करने का प्रयास करते हो, लेकिन जयराम रमेश के बयान ने बता दिया कि हिंदू अथवा हिंदुत्व पर चोट करना और हिंदुत्व समर्थक संस्थाओं पर हमले करना ही उनका शगल है। इसके पीछे कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति भी एक बार फिर सामने आ रही है।

कांग्रेस की बुरी गत दरअसल इसीलिए है कि वह बहुसंख्यक हिन्दू समाज व राष्ट्रवादी हिन्दू संस्थानों का अपमान कर वोट बैंक के कारण सिर्फ वर्ग विशेष के हित और उसके पक्ष की बात करती है जिस कारण वह एक कदम आगे बढने के बावजूद दो जनता से कदम दूर हो जाती है।

विशेष खबर हिन्दी साप्ताहिक

REGISTERED & ADMINISTRATIVE OFFICE:
ए-288 नेहरू नगर द्वितीय, गाजियाबाद, उ0प्र0
(Mob.) 9711345310

संपादकः विनीतकांत पाराशर
समाचार संपादक : सुनील कुमार वर्मा
ले-आउट डिजाइनः रजनी वर्मा

समाचार, लेख व विज्ञापन के लिए संपर्क करें
e-mail: visheshkhabarvk@gmail.com,
visheshkhabar.tv@gmail.com
contact: (Mob.) 9711345310

@ विशेष खबर में छपे सभी लेख व खबरों पर हुए वाद विवाद को सुलझाने के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद में मान्य होगा।

GHAZIABAD POLICE COMMISIONRATE OFFICER IMPORTANT CONTACT NUMBER

Commissioner office		0120–2820758
Commissioner	- Ajay Mishra	9643322900
ADCP	- P.Dinesh Kumar	9643320500
DCP-City	- Nipun Agarwal	9643322901
DCP-Rural	- Ravi Kumar	9643322902
DCP-Trans Hindon	- Vivek Chandra Yadav	9643322903
ADCP-Crime	- Gyanendra singh	9643322905
DCP-Traffice	- Rama Kuswaha	9643322897
ADCP	- Protocal-S.Gangwar	9643322890
ACP-Office	- Avnish Kumar	9643320207
ACP Kotwali	- Anshoo Jain	9643322906
ACP Nandgram	- Alok Dubay	9643322907
ACP Indrapuram	- Swatntra Singh	9643322908
ACP Sahibabad	- Poonam Mishra	9643322909
ACP Loni	- Rajnees Upadhyay	9643322910
ACP Masoori	- Nimishh Dashrath	9643322911
ACP Crime/Traffice	- Bhaskar Verma	9643320599
ACP Kavinager & A/C	- Abhishek Srivastav	9643208958
ACP Wave City	- Ravi Prakash Singh	9643320404
ACP Modi Nager	- Ritesh Tripathi	9643322912
RI Insp Line	- Udal Singh	9643322890

महापुरूषों के विचार

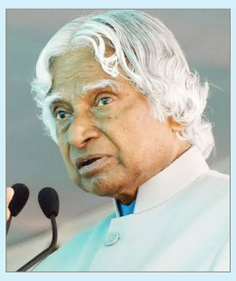

एक अच्छी पुस्तक हजार दोस्तों के बराबर होती है जबकि एक अच्छा दोस्त एक लाइब्रेरी के बराबर होता है।

एपीजे अब्दुल कलरम

social media fact chek of the week

फैक्ट चैक में गलत निकला टीएमसी नेता का वायरल ट्विट

टीएमसी नेता साकेत गोखले ने अपने एक ट्वीट में दावा किया था कि पीएम मोदी ने अमेरिका में 3.1 बिलियन डॉलर से अधिक कीमत पर 31 एमक्यू -9बी प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जबकि, प्रति ड्रोन की कीमत 110 मिलियन डॉलर है।

हिन्दुत्व पर गहलौत-जोशी में वार - पलटवार

वार

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा किया है कि कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की तुलना में हिंदू धर्म में अधिक विश्वास है। भगवा पार्टी में कई ऐसे लोग हैं जिनका हिंदू धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। वे सिर्फ राम मंदिर निर्माण पर राजनीति करने के लिए हिंदू बने हैं। धीरे-धीरे अब उनके रहस्य खुल रहे हैं। हम बीजेपी को राजस्थान में हिंदुत्व को अपना एजेंडा नहीं बनाने देंगे।

पलटवार

गहलौत के आरोपों का जवाब देते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि ऐसे बयान देकर गहलोत बीकानेर के खाजूवाला में दलित युवती से हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना से ध्यान भटकाना चाहते हैं। फिलहाल पीड़ित परिवार को न्याय की दरकार है। वे बस लोगों का ध्यान इससे भटकाना चाहते हैं, लेकिन राज्य की जनता सब जानती है। बीजेपी उचित समय पर इसका करारा जवाब देगी।

धर्म-कर्म और ज्योतिष

क्या कहती हैं बिहार के सीएम नीतिश कुमार की कुंडली

बिहार के मुख्यमंत्री और विपक्षी एकता की धुरी नीतिश कुमार को भावी पीएम माना जा रहा है लेकिन उनकी कुंडली को बांचने वाले ज्योतिषों का मानना हैं कि न तो उनकी कुंडली में पीएम बनने का योग है ना ही विपक्ष को एक करने का सेहरा उनके सिर बंधेगा, साथ ही अक्टूबर के बाद उनके लिए समय भी अनुकूल नही रहेगा।

कर्नाटक चुनाव के परिणाम से कांग्रेस और विपक्ष बेहद उत्साहित है और आम चुनाव से पहले एक मजबूत विपक्ष की चर्चा देश में होने लगी है। यह जिम्मा बिहार के सीएम नीतीश कुमार को दिया गया है और वो इस कड़ी में हर राज्य में जाकर वहां के विपक्ष को बीजेपी के खिलाफ लामबंद करने में लगे हुए हैं। हाल ही में उन्होंने पटना में 13 विपक्षी दलों की बैठक कर इस काम को अंजाम देने की मुहिम की शुरूआत भी कर दी है। विपक्षी एकता की धुरी इस वक्त नीतीश कुमार है इसलिए हम कुंडली का विश्लेषण करेंगे और यह समझने की कोशिश करेंगे की उनके सितारें क्या कह रहे हैं।

नीतिश कुमार की किस्मत में क्या लिखा है पीएम बनने का योग

1 - मिथुन लग्न की कुंडली में बुध और भाग्येश शनि का राजयोग इस कुंडली की सबसे बड़ी खासियत है। यहां लग्नेश बुध भाग्य भाव में शनि की राशि में विराजमान हैं वही शनि भाग्येश होकर चौथे भाव में बुध की राशि में विराजमान हैं। इसी राशि परिवर्तन राजयोग के कारण एक साधारण से घर में जन्म लेकर वो बिहार के सीएम बने हैं।

2 - वाणी भाव का स्वामी चंद्रमा नीच भंग राजयोग का निर्माण कर रहा है। यहां दूसरे भाव का स्वामी शत्रु भाव में नीच है वहीं उस भाव का स्वामी दशम भाव में उच्च के शुक्र के साथ विराजमान हैं। इस योग के कारण इनके जीवन में संघर्ष के बाद सफलता मिली। जब छठे भाव का स्वामी उच्च होकर केंद्र में विराजमान होता हैं तो ऐसा जातक जीरो से हीरो बनता है।

3 - बिहार के सीएम की कुंडली में दशम भाव का मंगल बेहद बलवान है और वो उन्हें अनुशासित बनाता है। यही कारण है कि वो अपनी नीतियों को काफी तेजी से लागू करवा पाने में सफल रहे हैं।

4 - इस कुंडली में एक कुशल प्रशासक बनने के भी योग विद्यमान है। यहां राजधर्म का कारक गुरु बुध और राहु के साथ नवम भाव में विराजमान है। ऐसा व्यक्ति न्याय के रास्ते पर चलने वाला होता है।

5 - इनकी कुंडली में गुरु केन्द्राधिपत्य दोष से पीड़ित है और सप्तम भाव का कारक है। इस भाव से राजनीति में गठबंधन देखा जाता है। इस भाव के स्वामी पर राहु केतु का प्रभाव और शनि के साथ षडाष्टक दोष होने के कारण ये कभी किसी के साथ टिककर काम नहीं कर सकते हैं।

6 - शनि और गुरु के एक दूसरे से अष्टम और छह का संबंध बनने के कारण इन्हे संबंध बिगड़ जाते है। पीएम मोदी की कुंडली में चन्द्रमा लग्न में वही इनके शत्रु भाव में विराजमान होने से दोनों अलग हुए। उसके बाद फिर आरजेडी के पास गए और फिर अलग हुए और फिर वर्तमान में उनके साथ है। हर नीच के चन्द्रमा और गुरु के कारण इनके साथ हो रहा है।

7 - वर्तमान में शनि का गोचर चौथे भाव से और राहु का गोचर छठे भाव से हो रहा है। इस समय कार्य की अधिकता होगी और इन्हे अपनी सेहत का भी ध्यान रखना होगा। अक्टूबर के बाद इनके लिए समय अनुकूल नहीं है। राहु इनकी कुंडली में इन्हे साझेदारों से अलग कर रहा है और अक्टूबर के बाद राहु का गोचर सप्तम भाव में फिर से इन्हे परेशान करेगा।

8 - वर्तमान में नीतीश कुमार सबको एक करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन सप्तम और सप्तम के स्वामी पर केतु का प्रभाव ये होने नहीं देगा। भविष्य में इनके पीएम बनने की कोई भी सम्भावना नजर नहीं आती है।

ज्योतिष उपाय

श्रावण मास में शिव की आराधना से कैसे हो मनोकामना की पूर्ति

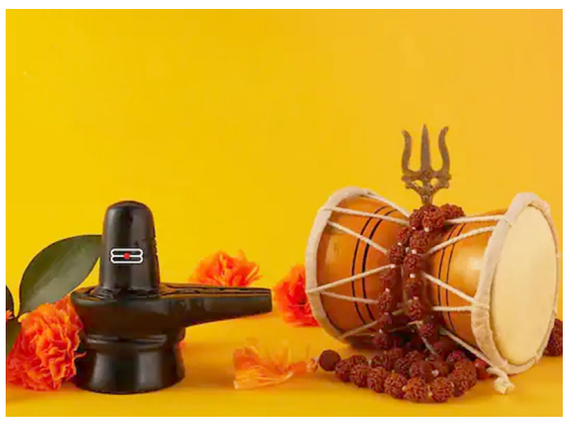

सनातन धर्म में सावन के महीने का विशेष महत्व बताया गया है। यह माह महादेव के भक्तों के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इसे शिव शंभू के भक्त किसी त्योहार से कम नहीं मानते। इस बार सावन का महीना 4 जुलाई 2023 से शुरू हो रहा है। साल 2023 का सावन मास बेहद खास होने वाला है क्योंकि यह अधिक मास में पड़ेगा। जिसकी वजह से इस बार सावन का महीना 30 नहीं बल्कि 59 दिनों का होने वाला है। इस बार भक्तगण को महादेव की पूजा के लिए अधिक समय मिलेगा। यदि आप भी चाहते हैं कि आपकी हर मनोकामना पूरी हो, आपको कर्ज से मुक्ति मिले, आपकी धन संपत्ति में बढ़ोत्तरी हो, तो इसके लिए सावन सोमवार में आचार्य निशांत भारद्वाज के अनुसार कुछ ज्योतिषी उपाय कर सकते हैं।

मनोकामना पूर्ति का उपाय: यदि आप चाहते हैं कि आपकी हर मनोकामना पूरी हो तो शिव पुराण के अनुसार आप पांच सोमवार भगवान शिव के निमित्त पशुपतिनाथ का व्रत कर सकते हैं। इसकी शुरूआत श्रावण मास के पहले सोमवार से करना ज्यादा शुभ फलदाई माना जाता है। इस व्रत में दो समय सुबह और प्रदोष काल में भोलेनाथ की पूजा करने का विधान है।

कर्ज से मुक्ति का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि आप आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं और कर्जे में डूब गए हैं। जिससे छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से शिवलिंग पर जल में अक्षत मिलाकर चढ़ाएं। इस दौरान भगवान शिव को वस्त्र अर्पित करें, वस्त्र के ऊपर अक्षत रखकर अर्पित करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन आगमन शुरू हो जाता है। इस उपाय से आपको कर्ज से भी मुक्ति मिल जाती है।

सुख समृद्धि बढ़ाने का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में सुख समृद्धि और धन का आगमन हो तो रात में 11:00 से 12:00 के बीच शिवलिंग के सामने एक दीपक जलाएं. इस उपाय से आपको धन और ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी। भगवान शिव की पूजा में मूंग का उपयोग करें। यदि आप धर्म, अर्थ और काम, भोग में वृद्धि चाहते हैं तो कंगनी द्वारा भगवान शिव की पूजा करने से लाभ मिलेगा।

शैलजा पाठक की कविता

क्या देह से गुजरे बिना संभव था.....

हाँ क्यों नहीं!
प्यार एहसास की परतों में धड़कता है
आँख की कोर पर पढ़ी जा सकती है
नींद की बेचैन लहरों-सी सलवटों की व्यथा
हथेली के उभार के रूखेपन पर घिसा जाता है
पूजा के लिए चंदन
'उँगलियाँ मुहब्बत से भरी हैं तुम्हारी'
उसने कहा था एक दिन
किसी दिन की खातिर कोई दिन प्रतीक्षा में चूक गया था
पीठ की टेक लिए शाम से संवाद किया जा सकता है
किसी चौराहे से उठाई जा सकती है मुस्कुराहट
बालों को खोलकर बाँधता प्रेमी कहता है
बादलों को इतने नजदीक से पहली बार देखा
और जानती हो
तुम्हारे साथ चलना दुनिया का सुंदरतम सुख है
मेरी नजर चूम लेती है तुम्हारी मायूसी
मेरे छाती में साँस लेती है गौरैया की धड़क
बरगद-सी पुरानी जड़ों-सा लगता हूँ तुमसे गले
तुम ही से सोखता हूँ जीवन की संजीवनी
तुमसे प्यार करते हुए जाना
देह से नहीं उठानी होती कोई दहकती छुवन
न चुंबन, न आलिंगन
बस मिट्टी में रोपनी होती हैं उँगलियाँ
प्यार दूब की तरह पसरा होता है मेरे आस-पास
मैं उस पर देर तक आँखें मूँद तुम्हें महसूस करता हूँ
मैं सुख से भरा हूँ
तू उदास मत हुआ कर मेरी दोस्त...

पुस्तक विमोचन

स्मृतियों में इतिहास की जीवंत महक सुंघाती एक पुस्तक

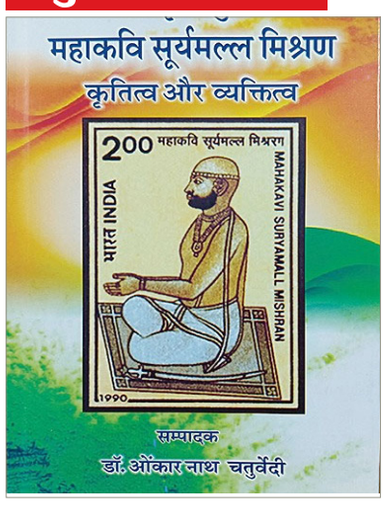

समय, इतिहास का निर्माण करता है। इतिहास आने वाले समय के लिए जानकारियां सहेजकर रख लेता है। प्रत्येक प्रांत में संस्कृति और साहित्य के कुछ ऐसे वरदपुत्र हुआ करते हैं जो अपने कृतित्व और व्यक्तित्व के कारण छाप ही नहीं छोड़ते, इतिहास खंड का हिस्सा हो जाते हैं। डॉ. ओंकारनाथ चतुवेर्दी राजस्थान की परंपरा को साहित्य और संस्कृति के संदर्भ में मुखरित करने वाले व्यक्तियों में से एक हैं। इन्होंने महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण पर शोध, खोज, संकलन के साथ संपादन करके प्रस्तुत पुस्तक पाठकों के सामने उजागर की है। सन् 1990 में भारतीय डाकतार विभाग ने सूर्यमल्ल मिश्रण पर एक डाक टिकट भी जारी किया, जो आवरण पृष्ठ की छवि द्वारा सामने आ रहा है। यह भी एक उपलब्धि है।

सचित्र, इस कृति में संपादक ओंकार नाथ चतुवेर्दी ने 20 से ऊपर लेखों का चयन किया है। जो समय-समय पर विश्वविद्यालयों अथवा साहित्यिक संस्थाओं द्वारा लिखवाए और पढ़वाए गए हैं। या अलग-अलग समय पर पत्रों, पत्रिकाओं में प्रकाशित भी होते रहे हैं। कवि और महाकवि होना एक विलक्षण प्रतिभा का सूचक है। महाकवि युगपुरुष हुआ करते हैं जो आने वाली पीढ़ियों में भी गूंज पैदा करते हैं। महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण हिंदी और राजस्थानी में रचनारत रहे, इन पर केंद्रित राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर के आयोजन करवाए गए। स्मृति ग्रंथ या अभिनंदन यूं ही तैयार नहीं होते। इनके पीछे साधन और साधना विद्यमान रहती है। प्रस्तुत कृति ओंकार नाथ चतुवेर्दी की भेंट है, जिसमें निरंजन नाथ आचार्य, सुनित कुमार चटर्जी, डॉ. तारा प्रकाश जोशी, कन्हैया सहल और प्रेमचंद विजयवर्गीय से लेकर आलमशाह खान, कमल कोठारी तक को शामिल किया गया है। इन सभी विद्वानों की स्मृतियों में इतिहास का अनुभव है, जिन्होंने व्यक्ति और रचनाकार सूर्यमल्ल मिश्रण को विषय बनाकर निबंध लिखे हैं। रामधारी सिंह दिनकर और भूतपूर्व राष्ट्रपति वीवी गिरी द्वारा सूर्यमल्ल मिश्रण स्मृति समारोह का उद्घाटन किया गया था। अपने व्यवहार में महाकवि विशेष की रचनात्मकता को प्रसंगानुसार प्रस्तुत भी किया था।

इन संस्मरणों में, स्मृतियों में, लेखों में एक महक है। अतीत की महक जैसे गुजरा हुआ समय आंखों के आगे स्क्रीन की तरह बहुत कुछ दिखा रहा हो। शृंगार हो या नैतिकता, देश के उत्थान के पैमाने हों या सामाजिक अधोपतन महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण अपने व्यक्तित्व और कृतित्व द्वारा तभी अमृत पुत्र कहलाते हैं कि उन्होंने साहित्य और संस्कृति का मंथन करके समाज को जागृत करने की दिशा दिखाई।

पुस्तक : अमृत-पुत्र महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण
(कृतित्व और व्यक्तित्व)
संपादक : डॉ. ओंकारनाथ चतुवेर्दी
प्रकाशक : साहित्यागार, जयपुर
पृष्ठ : 214
मूल्य : रु. 400.

मनोरंजक खबर- बॉलीवुड- टेलीविजन

अब स्टार नहीं फिल्म में कटेंट चाहते हैं दर्शक

'चट्टान' में दिखेगा सरकारी व्यवस्था और फर्ज के बीच जंग का रियल कंटेंट

रजनी वर्मा @visheshkhabar.in

पीढ़ी दर पीढ़ी ऑडियंस की नई खेप में फिल्में देखने का नजरिया एकदम बदल गया है। अब उन्हें स्टार नहीं कंटेंट निहित फिल्में ही चाहिए यही पक्की वजह रही कि उलजुलूल कंटेट वाली और टॉप स्टारर 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान'(अमिताभ बच्चन, आमिर खान), शमशेरा (रणवीर कपूर) पृथ्वी राज (अक्षय कुमार) जैसी फिल्मों को समूचे भारत और विदेशों तक की ऑडियंस ने खुले तौर पर नकार दिया, जिससे फिल्म इंडस्ट्री की इकॉनमिक साख तक गड़बड़ा गई और फिर एक बार स्टार सिस्टम की वैल्यूज गिर गई। कंटेंट वाली फिल्मों की डिमांड ने बॉलीवुड और ऑडियंस में जोर पकड़ लिया है।

लगातार बड़े बैनर्स और मेगा स्टार फिल्मों के लगातार फ्लॉप होने वजह से नई-नई टेक्नोलॉजी, कीमती कैमरे और ड्रोन्स से बढ़ते बोझ से फिल्मकारों की सोच बदली और उन्होंने मिडिल स्टारकास्ट और बढ़िया कंटेंट वाली फिल्में बनानी शुरू कर दी, जिस-के फलस्वरूप 'प्यार का पंचनामा' 'कश्मीर फाइल्स' को बॉक्स ऑफिस पर आशातीत

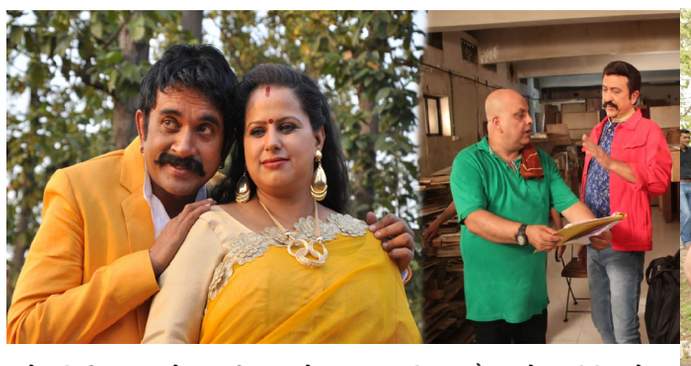

सक्सेस मिली। इस आंदोलनकारी कदम से सीमित बजट और मध्यम स्टारकास्ट फिल्में बनने की मुहिम शुरू हो गई है।

रंजन कुमार सिंह, लेख टंडन और प्रकाश मेहरा जैसे दिग्गज और हुनरदार फिल्मकारों से निर्देशन शिल्प सीखने के बाद सुदीप डी. मुखर्जी ने पुलिस और प्रशासन के बीच हुए टकराव में सच्चाई की खातिर मर मिटने वाले पुलिस अफसर के निजी जीवन में आए उथल-पुथल जैसे छोटे-छोटे प्रसंगों पर आधारित कहानी और कसी हुई स्क्रिप्ट तथा शॉर्प डायलॉग्स पर जिंदगी भर याद रखी जाने वाली फिल्म बनाई है -'चट्टान' जिसमें जीत उपेंद्र और रजनिका गांगुली की मुख्य भूमिकाएं है। इसके अतिरिक्त तेज सप्रू ब्रिज गोपाल और शिवा महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

सुदीप डी.मुखर्जी से यह पूछे जाने पर बतौर फिल्मकार बॉलीवुड में आपका क्या गोल है? तो उन्होंने कहा कि - 'मैं पूर्णतः राष्ट्रवादी हूँ, मेरी बिलकुल अलग सोच है। इसलिए मैं किसी का अनुसरण नहीं करता और मर्यादित व समाज के हित में साफ सुथरी और परिमार्जन किन्तु मनोरंजक फिल्में बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहूँगा'। एन .एन.गांगुली और बेला गांगुली प्रस्तुत सर्वमंगला इंटरनेशनल और के.बी .इंटरप्राइजेज के सहयोग से सेवन स्टार क्रिएटिव इंटरनेशनल कृत 'चट्टान' की निर्मात्री रजनिका गांगुली हैं। कथा, पटकथा, संवाद, नृत्य निर्देशन, गीत -संगीत, संपादन और निर्देशन सुदीप डी.मुखर्जी ने किया है। छायांकन राजेश कनोजिया, मार धाड़ हीरा यादव, और पार्श्व संगीत कमल सिंह भुनावत का है ।

रजनका गांगुली व सुदीप डी.मुखजी ने बताया कि बिना बड़े स्टार वाली इस फिल्म में दर्शकों को असली कंटेंट व मनोरंजन देखने का मिलेगा और उन्हें मजा आएगा।

फिल्म जगत की बेमेल जोड़ियां

फिल्म जगत के कुछ सितारों की शादियों ने लोगों को हैरान कर दिया था. दरअसल, उन्होंने जीवनसाथी ऐसा चुना था, जिनकी शख्सियत उनसे काफी अलग और बेमेल नजर आ रही थी, हालांकि प्यार और किस्मत के आगे किसी की नहीं चलती. किसी एक्ट्रेस ने अपने से काफी बड़े फिल्म प्रोड्यूसर से शादी की, तो किसी अन्य एक्ट्रेस का दिल बिजनेसमैन पर आ गया।

साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में कई ऐसी एक्ट्रेस मिल जाएंगी, जिनके हसबैंड को देखकर फैंस को लगता है कि उन्होंने अपनी शख्सियत के उलट जीवनसाथी चुना। वे प्यार के आगे बेबस थीं या फिर कोई और वजह थी, लेकिन फैंस को उनकी जोड़ी बेमेल लगी। साउथ फिल्मों की चर्चित एक्ट्रेस महालक्ष्मी की शादी की तस्वीरें खूब सुर्खियों में रही थी, जिन्होंने पिछले साल अपने से काफी बड़े शख्स के साथ 7 फेरे लिए थे।

महालक्ष्मी ने जब तमिल फिल्म प्रोड्यसर रविंद्र चंद्रसेकर से शादी की थी, तब लोगों की हैरानी का ठिकाना नहीं रहा था। दरअसल, लोगों को उनकी जोड़ी बेमेल लग रही थी। रविंद्र न सिर्फ महालक्ष्मी से 20 साल बडे हैं, बल्कि वे एक्ट्रेस की तुलना में काफी भारी शरीर वाले हैं। जब उन्होंने शादी की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की तो उनके फैंन्स ने उन्हें जमकर ट्रोल किया था।

किम शर्मा फिल्म 'मोहब्बतें' से दर्शकों के दिलों में बस गई थीं, मगर उन्होंने 2010 में बिजनेसमैन अली पंजानी से शादी करके चौंका दिया था। लोगों को उनकी जोड़ी काफी बेमेल लगी थी। दोनों ने केन्या के मोम्बासा में शादी की थी, हालांकि कुछ सालों बाद उनका तलाक हो गया। किम शर्मा का कई सेलेब्स से नाम जुड़ा है। बीते दिनों, टेनिस स्टार लिएंडर पेस से उनके ब्रेकअप की खबरें सामने आई थीं। इसी तरह रानी मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा की जोड़ी भी दर्शकों को कोई खास नहीं लगी। रानी मुखर्जी जहां काफी खुले मिजाज की हैं, वहीं आदित्य चोपड़ा लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं। दोनों ही अपने-अपने काम में उस्ताद हैं। कपल ने करीब 5 साल तक डेट करने के बाद 21 अप्रैल 2014 को बंगाली रीति-रिवाज से शादी की थी उनका एक बच्चा भी है।

सार समाचार

मेयर शैली ओबराय ने पूर्वी दिल्ली के मोहल्लों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

संवाददाता @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने पूर्वी दिल्ली के मोहल्ला जवाहर झुग्गी और विनोद नगर क्षेत्रों का निरीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि निगम की संपत्तियों के रखरखाव और साफ सफाई का ध्यान रखा जाए। इस मौके पर उन्होंने नालियों की निरंतर सफाई करने का निर्देश दिया, ताकि मानसून के दौरान क्षेत्र में जलभराव की स्थिति पैदा न हो। साथ ही कहा कि दिल्ली नगर निगम की सरकार नागरिकों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम अरविंद केजरीवाल का विजन दिल्ली को सबसे स्वच्छ व सुंदर बनाने का है।

मेयर का निरीक्षण

दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने आज गुरुवार को पूर्वी दिल्ली के वार्ड संख्या-197 मोहल्ला जवाहर झुग्गी और वार्ड संख्या-198 विनोद नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेयर ने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था में सुधार करने और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नालियों की निरंतर सफाई करने को कहा है, ताकि मानसून के दौरान क्षेत्र में जलभराव ना हो। पटपड़गंज के पास स्थित मोहल्ला जवाहर झुग्गी क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए मेयर को स्थानीय लोगों ने ढलाव घर से हो रही परेशानी के बारे में बताया। मेयर ने अधिकारियों को संबंधित समस्या का समाधान करने के साथ क्षेत्र की साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

समस्या से कराया अवगत

वहीं विनोद नगर में निरीक्षण के दौरान मेयर डॉ शैली ओबरॉय को स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण की समस्या से अवगत कराया। मेयर ने तिराहे पर बने शौचालय को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश देते हुए कहा कि एमसीडी के सभी शौचालयों की नियमित तौर पर साफ-सफाई हो ताकि आमजन को कोई परेशानी ना हो। इस दौरान विनोद नगर स्थित दिल्ली नगर निगम समुदाय भवन का भी निरीक्षण किया।

रखरखाव का दिया निर्देश

शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की इमारतों की हालत ठीक नहीं है। इनका समय से रखरखाव किया जाए और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि अच्छे से कार्यक्रम हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम की सरकार नागरिकों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम अरविंद केजरीवाल का विजन दिल्ली को सबसे स्वच्छ व सुंदर बनाने का है। इस दिशा में अधिकतम प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही इसके परिणाम नजर आने लगेंगे।

दिल्ली मैट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की स्पीड बढ़ी, अब 15 मिनट में एयरपोर्ट पहुंचे

संवाददाता @visheshkhabar.

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो से राजीव चौक या सिटी सेंटर आने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो ट्रेनों की स्पीड एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। इससे इस लाइन पर सफर करने वाले यात्री कम समय में यात्रा पूरी कर सकेंगे।

दिल्ली मेट्रो के मुताबिक आईजीआई हवाईअड्डे को द्वारका सेक्टर-21 से जोड़ने वाली 23 किमी लंबी एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन (एईएल) पर मेट्रो ट्रेनों की परिचालन गति अब 22 जून 2023 से 100 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटे कर दी गई है। इस वृद्धि के साथ, डीएमआरसी ने 110 किमी प्रति घंटे की उल्लेखनीय गति हासिल करके भारतीय मेट्रो क्षेत्र में एक नया मानदंड स्थापित किया है और भारत में सबसे तेज मेट्रो प्रणालियों में से एक होने का गौरव बरकरार रखा है।

मेट्रो ट्रेनों के परिचालन गति में 110 किमी प्रति घंटे की वृद्धि के साथ, यात्री अब लगभग 16 मिनट में नई दिल्ली से हवाई अड्डे (टी-3) तक पहुंच सकते हैं। इस गति वृद्धि ने हवाई अड्डे को शहर के केंद्र राजीव चौक के बहुत करीब ला दिया है, जहां अब 15 मिनट के भीतर पहुंचा जा सकता है। स्पीड में की गई इस बढ़ोत्तरी के बाद नई दिल्ली से द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन तक यात्रा का कुल समय लगभग 20 मिनट होगा। इसके अलावा, आने वाले दिनों में 120 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति सीमा लागू होने के बाद, पूरे एईएल पर कुल यात्रा का समय घटकर केवल 19 मिनट रह जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में 200 बीघे में लगेगा बागेश्वर धाम सरकार का दरबार

संवाददाता @visheshkhabar.

नोएडा। सनातनियों के लिए आस्था का केंद्र बन चुके बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दरबार ग्रेटर नोएडा में लगने जा रहा है। धीरेंद्र शास्त्री की हनुमात कथा 10 जुलाई से 16 जुलाई तक के बीच में होगी, जिसके लिए भव्य स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की हनुमात कथा को लेकर करीब 200 बीघे में भव्य मंच तैयार किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत 9 जुलाई को कलश यात्रा के साथ होगी। हालांकि, धीरेंद्र शास्त्री 10 जुलाई को ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगे और हनुमान कथा 10 जुलाई से ही शुरू करेंगे।

जर्मन कंपनी का वाटरप्रूफ पंडाल

अमृत कल्याण सेवा ट्रस्ट द्वारा ग्रेटर नोएडा के जैतपुर में आयोजन कराया जा रहा है। मुख्य आयोजक शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र शास्त्री 10 से 16 जुलाई के बीच ग्रेटर नोएडा में रहेंगे। उनके प्रोग्राम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। 4 लाख स्क्वायर फीट एरिया में जर्मन कंपनी का वाटरप्रूफ टेंट लगाया जा रहा है। पार्किंग की व्यवस्था बड़े स्तर पर की गई है।

कार्यक्रम में लाखों लोग हर रोज जुटेंगे

कथा संचालन समिति के अध्यक्ष पवन त्यागी ने बताया कि सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम करवाया जा रहा है। यहां बड़े स्तर पर पंडाल में तमाम व्यवस्था की गई है। वीवीआईपी और वीआईपी के लिए अलग से रास्ते बनाए गए हैं। 12 जुलाई से दिव्य दरबार भी शुरू होंगे। कार्यक्रम में रोजाना लाखों लोगों के आने की उम्मीद है।

विपक्षी एकता की बारात निकलते ही 'रूठे फूफा' बन गए केजरीवाल

विपक्ष की पहली बैठक से मिले संकेत अगर समझी नहीं तो 2024 में अकेली पड़ जाएगी आम आदमी पार्टी

सुनील वर्मा @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा भानुमति ने कुनबा जोड़ा। नीतीश कुमार के उपर ये कहावत एकदम सटीक बैठती है। भानुमति यानी नीतीश कुमार ने बिहार की राजधानी पटना में बेमेल विपक्षी दलों के साथ महाबैठक तो कर ली। इस बैठक में 15 दलों के नेता शामिल भी हुए। लेकिन इस बैठक में खूब ड्रामा हुआ। रूठने और मनाने का खूब सिलसिला चला। एकजुटता के लिए बुलाई गई बैठक में एकता गायब थी। दूल्हा कौन होगा और बारात किस तरह से निकलेगी, इसकों लेकर अभी तस्वीर साफ भी नहीं हुई थी कि एजेंडे को लेकर भिड़ंत शुरू हो गई। केजरीवाल बारात के फूफा की तरह रूठ गए। इसके बाद आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और आरजेडी के नेता एक दूसरे को आईना दिखाया। यहां तक कि बात औकात दिखाने तक पहुंच गई।

बड़े बेआबरू होकर विपक्षी कूचे से केजरीवाल निकले

दरअसल विपक्षी दोलों की बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन की मांग पर जोर देने लगे तो उमर अब्दुल्ला ने उनके जले पर नमक छिड़क दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के मामले में केजरीवाल के समर्थन की याद दिलाई। कांग्रेस ने भी उमर अब्दुल्ला का समर्थन किया। केजरीवाल ने कांग्रेस से अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कहा जिससे टकराव देखने को मिला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अरविंद केजीवाल के बीच कहासुनी शुरू हो गई। दोनों के बीच मामला बिगड़ता देख ममता बनर्जी को हस्तक्षेप करना पड़ा। ममता ने दोनों को शांत कराया। इस तरह अपनी उपेक्षा से आहत केजरीवाल बारात के फूफा जी की तरह रूठ गए और बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार कर दिल्ली रवाना हो गए।

केजरीवाल और कांग्रेस में तू-तू, मैं-मैं

अरविंद केजरीवाल के दिल्ली पहुंचते ही आम आदमी पार्टी ने कहा कि जब तक कांग्रेस अध्यादेश के विषय पर अपना रुख स्पष्ट नहीं कर देती तब तक वह कांग्रेस की मौजूदगी वाली विपक्षी किसी बैठक में शामिल नहीं होगी। अब सवाल उठ रहे हैं कि कांग्रेस अब तक केजरीवाल की मांग का समर्थन क्यों नहीं कर रही है ? इस सवाल पर कांग्रेस के अंदर ही मतभेद है। दरअसल कांग्रेस का एक धड़ा केजरीवाल को साथ में रखने का समर्थक है, तो दिल्ली और पंजाब के कांग्रेस नेता केजरीवाल को समर्थन देने के पक्ष में नहीं है। दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री

अजय माकन सीएम केजरीवाल पर हमला बोलते हुए 5 अगस्त, 2019 को केजरीवाल द्वारा किया गया ट्वीट शेयर किया। इसमें केजरीवाल ने केंद्र सरकार द्वारा संसद में विधेयक लाकर जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के कदम का समर्थन किया था।

केजरीवाल की ऐसी वकत और हैसियत नहीं कि कोई नोटिस ले- शिवानंद

आरजेडी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल पर बड़ा हमला करते हुए उनकी औकात तक याद दिला दी। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल का किसी ने नोटिस नहीं लिया। अरविंद केजरीवाल और नरेन्द्र मोदी में फर्क क्या रहा है? उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल भी उसी तरह से तानाशाही चला रहे हैं कि हमारा जो कहना है, उसे पहले लीजिए। शिवानंद तिवारी ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल की ऐसी वकत नहीं, हैसियत नहीं कि कोई नोटिस ले। उनका नरेन्द्र मोदी वाला अंदाज था इसीलिए सब लोगों ने उनका नोटिस नहीं लिया। अरविंद केजरीवाल ने जो कर दिया उसको गोली मारिए, उससे कोई नुकसान नहीं होने वाला है। वैसे अगर विपक्षी एकता के लिए हुई पहली बैठक का लब्बोलुआब निकाले तो ये बात साफ है कि अधिकांश विपक्षी दलों के लिए कांग्रेस को साथ लेकर चलना मजबूरी हो सकती है लेकिन आम आदमी पार्टी को साथ लाने के लिए कांग्रेस को भावी गठबंधन में नाराज किया जाए ये खतरा कोई मोल नहीं लेगा। वैसे भी अगर विपक्ष के एक दर्जन से अधिक दल साथ जुड़ गए तो ये तय है कि लोकसभा चुनाव में केजरीवाल की आम आदमी महागठबंधन से दूर रहने पर अलग थलग पड़ जाएगी।

निगम की सत्ता में उत्तरी दिल्ली का दबदबा, दक्षिण व पूर्वी जिले के पार्षद दुखी

धर्मेन्द्र पांडे @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्वकालिक निगमों के बाद एकीकृत हुए दिल्ली नगर निगम में सत्ता पर उत्तरी दिल्ली का दबदबा बढ़ता जा रहा है, जहां सत्तारुढ़ आप ने महापौर और उप महापौर जैसे प्रमुख पद भी इस बार उत्तरी दिल्ली के पार्षदों को दिए गए तो वहीं भाजपा ने भी जो नेता प्रतिपक्ष बनाए है वह भी उत्तरी दिल्ली से ही हैं।

इससे निगम के प्रमुख पदों पर उत्तरी दिल्ली का ही कब्जा हो गया है। इसे देख दक्षिणी और पूर्वी दिल्ली के पक्ष-विपक्ष के पार्षद अपनी उपेक्षा से दुखी है, ऐसे में अब उनकी आस स्थायी समिति को लेकर ही है। उनका मानना है कि इसमें भी उन्हें प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली के मुद्दों पर समाधान उस स्तर पर नहीं हो पाएगा, जिस स्तर वहां से आने वाले पार्षद के हिसाब से मिलता है।

पूर्वी दिल्ली के पार्षद का छलका दर्द

पूर्वी दिल्ली से दूसरी बार चुनकर आए एक पार्षद ने कहा कि निगम के एकीकरण के बाद हम तो इस बात से दुखी थे कि पूरी नौकरीशाही पर दक्षिणी दिल्ली के अधिकारियों का कब्जा था। सफाई से लेकर पार्किंग,उद्यान, शिक्षा, इंजीनियरिंग जैसे महत्वपूर्ण विभागों पर पूर्वकालिक दक्षिणी निगम में

विभागाध्यक्ष रहे अधिकारियों का कब्जा था तो काम कराने में काफी दिक्कत हो रही थी। अब जब निगम की सत्ता में प्रमुख पदों पर उत्तरी दिल्ली से चुनकर आए पार्षदों को ही अब तक मौका मिला है। ऐसे में पूर्वी दिल्ली से करीब 60 पार्षदों की आवाज अब कौन सुनेगा।

वहीं, एक आप पार्षद ने भी कहा कि अधिकारी तो वैसे ही पहले से ही नहीं सुन रहे थे। अब महापौर और उप महापौर यहां तक की नेता सदन भी उत्तरी दिल्ली से ही हैं। यानी नौकरशाही (कार्यकारी पक्ष) के काम दक्षिणी दिल्ली के पार्षद आसानी से करा लेंगे, जबकि महापौर और नेता सदन (विधायी पक्ष) के स्तर काम उत्तरी दिल्ली के पार्षद आसानी से करा लेंगे। पूर्वी दिल्ली की कौन सुनेगा।

दक्षिणी दिल्ली के एक भाजपा पार्षद ने कहा कि वह पहली बार चुनकर आए हैं। न तो उनकी अधिकारियों से जान पहचान हैं और न ही जो प्रमुख पदों पर बैठे हैं उनसे। ऐसे में क्षेत्र के लिए अधिकारियों से मिलना और काम कराने में काफी मुश्किल हो रही है।

उल्लेखनीय है कि 22 मई, 2022 से दिल्ली के तीनों निगम एक हो गए थे। पूर्वकालिक दक्षिणी और उत्तरी निगम में 104-104 पार्षद थे। पूर्वी दिल्ली में 64 पार्षद थे। जब निगम का एकीकरण हुआ तो पूर्वकालिक दक्षिणी निगम के अधिकारियों को ही मुख्य पदों पर जिम्मेदारी दी गई थी।

मनोनीत सदस्यों में भी उत्तरी-दक्षिणी दिल्ली को मिला प्रतिनिधित्व

दिल्ली नगर निगम में उपराज्यपाल द्वारा मनोनीत किए 10 सदस्यों में से उत्तरी और दक्षिणी दिल्ली के ही नेताओं को मौका मिला। जहां उत्तरी दिल्ली में 10 में से आठ मनोनीत सदस्य उत्तरी दिल्ली के नरेला और सिविल लाइंस जोन से हैं। जबकि दो सदस्य मध्य जोन से हैं। हालांकि इसके पीछे राजनीतिक कारण हैं क्योंकि स्थायी समिति के चेयरमैन का गणित इस प्रकार से बन सकता है कि वहां पर भाजपा मनोनीत सदस्यों की मदद से जोन चेयरमैन का चुनाव जीत सकते हैं।

दिल्ली में बिजली दरें दस फीसदी बढ़ी, सरकार ने कहा जनता पर नहीं होगा असर

विशेष संवाददाता @visheshkhabar.in

नई दिल्ली। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने एक बड़ा फैसला लिया है जिससे दिल्लीवालों को तगड़ा झटका लगा है। डीईआरसी ने पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट 9.46 प्रतिशत बढ़ाने की अनुमति दे दी है।

इस अनुमति के साथ ही अब दिल्लीवालों को बढ़ा हुआ बिजली का बिल देना पड़ेगा। अब जो भी बिल आएगा वह लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़कर आएगा।

दिल्ली सरकार के मुताबिक इस बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। दिल्ली सरकार का कहना है कि पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत बिजली की कीमतें घटती-बढ़ती रहती हैं। ठंड में बिजली सस्ती हो जाती है, जबकि गर्मियों में कीमत थोड़ी बढ़ जाती है। हर तिमाही समीक्षा में पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत कीमतों में मामूली बढ़ोतरी या घटोत्तरी होती है।

कोयले और गैस की कीमतों पर निर्भर करता है बिजली का दाम

दिल्ली सरकार ने अपने बयान में कहा कि हर तिमाही में समीक्षा के दौरान कीमतें घटाई और बढ़ाई जाती हैं। इस बढ़ोतरी का ग्राहकों पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। यह एक सामान्य तिमाही समीक्षा प्रक्रिया है। इनके दाम कोयले और गैस की कीमतों पर निर्भर करते हैं। दरअसल, रिलायंस एनर्जी की कंपनी बॉम्बे सबअर्बन इलेक्ट्रिक सप्लाई ने दिल्ली में बिजली की खरीद को लेकर डीईआरसी के सामने अर्जी लगाई थी।

दिल्ली सरकार ने रेट बढ़ाने की दी इजाजत

दिल्ली बिजली आयोग ने बीएसईएस की अर्जी को मंजूरी देते हुए पॉवर परचेज एग्रीमेंट के आधार पर दर बढ़ाने की इजाजत दे दी। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला दिल्ली सरकार को लेना था कि ये बिजली की बढ़ी हुई कीमतें उपभोक्ता के बिल में शामिल होंगी या नहीं। जिसके बाद दिल्ली सरकार ने अपने बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी की सीधा असर ग्राहकों पर सीधे नहीं बढ़ेगा।

बताया जा रहा है कि बिजली की कीमतों के इस नए टैरिफ के पीछे बड़ा कारण सौर ऊर्जा है। सौर ऊर्जा से ही बिजली का उत्पादन होता है। इसलिए बिजली कंपनियां सौर ऊर्जा से बिजली की खरीद कर आपूर्ति करेंगी। इससे पहले भी जब पॉवर परचेज एग्रीमेंट की दर बढ़ी है तो दिल्ली सरकार ने इसका खर्च बिजली कंपनियों को खुद ही उठाने को कहा था और लोगों के बिलों में कोई अंतर नहीं आया।

सार समाचार

खोडा में कोचिंग की आड़ में सामूहिक नमाज पढ़वा रहा मौलवी गिरफ्तार

संवाददाता @visheshkhabar.in

साहिबाबाद। खोड़ा थाना क्षेत्र के दीपक विहार में कोचिंग सेंटर की आड़ में लोगों को सामूहिक नमाज पढ़ाने वाले एक मौलवी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

पुलिस के मुताबिक, खोड़ा के दीपक विहार में फ्यूचर कोचिंग सेंटर की आड़ में मदरसा चल रहा था। इसमें लोगों को बुलाकर सामूहिक रूप से नमाज पढ़ाई जा रही थी। इससे आसपास रहने वाले लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची।

लोगों ने नमाज पढ़ाने का विरोध किया। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस आरोपित मौलवी शौकत अली को पकड़ कर खोड़ा थाने ले आई।

पहले भी सामूहिक रूप से पढ़ाता रहा है नमाज

पुलिस की जांच में सामने आया है कि पूर्व में भी आरोपित यहां पर सामूहिक रूप से नमाज पढ़ा रहा था। उसके खिलाफ खोड़ा थाने में ही रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित खोड़ा के दीपक विहार का शौकत अली है। उससे पूछताछ कर अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

यति नरसिंहानंद ने ओबामा को खून से पत्र लिखकर भारत आने का दिया न्यौता, उनके बयान को बताया गलत

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को एक पत्र को लिखा है। ये पत्र खून से लिखा गया है। जिसमें उनके शिष्यों के भी हस्ताक्षर हैं। इस लेटर में बराक ओबामा के भारत को लेकर दिए बयान पर नाराजगी जताई है। उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया है। उनसे कहा है कि वह यहां आकर भारत की सही स्थिति का आंकलन करे। महामंडलेश्वर की प्रतिनिधि बनकर डॉक्टर उदिता त्यागी ये पत्र अमेरिका के दूतावास में पहुंचाएंगी।

महामंडलेश्वर बोले- ओबामा का बयान हिंदुओं को ठेस पहुंचाने वाला

इस पत्र में महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा, 'अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक हुसैन ओबामा का यह बयान कि भारत में मुस्लिमों के साथ गलत हो रहा है, यह उनके पूर्वाग्रहों से ग्रसित है। इतने उच्च पद पर रह चुके व्यक्ति का इतना असत्य बयान दुखद और पूरे हिन्दू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। ओबामा सहित सारे ईसाइयों और यहूदियों को समझना चाहिये कि निर्दोष हिन्दुओं को मिटाने के इस्लामिक लक्ष्य का समर्थन करके आप अपने सर्वनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। भारत में कोई भी हिन्दू, मुस्लिम का उत्पीड़न नहीं कर रहा है, बल्कि मुसलमान खुलकर गजवा-ए-हिन्द की तैयारी कर रहे हैं। भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं, बल्कि बहुसंख्यक हैं।'

'मेरी बात गलत हो तो फांसी पर चढ़ने को तैयार'

पत्र में ये भी लिखा है, 'भारतवर्ष में अपराध जगत में अब मुस्लिम माफियाओं का वर्चस्व हो चुका है।' महामंडलेश्वर ने पत्र के माध्यम से बराक हुसैन ओबामा को चुनौती दी कि यदि उनकी एक बात भी गलत सिद्ध होती है तो वो फांसी पर चढ़ने के लिये तैयार हैं। उन्होंने ओबामा को सत्य की जांच करने के लिये भारत आमंत्रित किया है। इस दौरान धीरज फौजी, अनिल यादव, बृजमोहन सिंह, नरेश शर्मा, हिमांशु पंडित, सनोज शास्त्री, कृष्ण वल्लभ भारद्वाज, सिकन्दर शर्मा आदि मौजूद रहे।

जन शिकायत निस्तारण पर डीएम की रणनीति

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने एक नई पहल की शुरूआत कर दी है। पहल के साथ ही उन्होंने जनपद की सभी तहसीलों में नियुक्त लेखपालों को निर्देशित भी कर दिया है। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार अब आगामी सोमवार से प्रत्येक कार्यदिवस में सभी तहसीलों में समस्त लेखपाल अपनी-अपनी तहसीलों में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक उपस्थित रहेंगे।

प्रत्येक कार्यदिवस में उपजिलाधिकारी व तहसीलदार द्वारा जनसुनवाई के दौरान लेखपालों की उपस्थिति भी अनिवार्य कर दी गई है। ताकि जनसुनवाई में भूमि संबंधी व अन्य मामलों के निस्तारण में तेजी लाई जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि समस्त लेखपाल जन शिकायतों को सुनने व उनके निस्तारण संबंधी रिपोर्ट तहसील मुख्यालय में प्रेषित करेंगे। इसके बाद ही वे फील्ड वर्क पर दोपहर 12 बजे के बाद ही तहसील मुख्यालयों से जा सकेंगे। जिलाधिकारी की इस पहल या निर्देश से उन तमाम लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा जो भूमि संबंधी या अन्य मामलों में लेखपाल को ढूंढते फिरते थे। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को आदेशों का कड़ाई से पालन करने के लिए निर्देशित किया है। शनिवार को जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह नंदग्राम थाने में आयोजित थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने जनसुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए। जनसुनवाई के दौरान डीसीपी नगर निपुण अग्रवाल, एसडीएम सदर विनय कुमार सिंह व संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

साहिबाबाद निगम क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ खर्च 18 लाख, फिर भी नहीं सुधरे हालात

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। साहिबाबाद नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के नाम पर हर माह सरकारी खजाने से लगभग 18 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं। इसमें प्रवर्तन दल, पुलिसकर्मियों की तनख्वाह और बुलडोजर का डीजल की रकम शामिल है। अतिक्रमण हटाने के नाम पर नगर निगम खानापूरी कर रहा है। पूरे शहर में अतिक्रमण का मकड़जाल बना हुआ है।

बुलडोजर घूंट की तरह पीता है डीजल

बुलडोजर एक घंटे में चार लीटर डीजल पीता है। मिट्टी की खोदाई की जाए तो ज्यादा डीजल की खपत होती है। निगम द्वारा अतिक्रमण के नाम पर ठेली-पटरी वालों को हटा दिया जाता है।

बुलडोजर जाने के बाद फिर से ठेली पटरी वाले उसी स्थान पर आ जाते हैं। प्रत्येक स्थान पर अतिक्रमण हटाने के नाम पर दो से तीन घंटे या इससे अधिक समय तक बुलडोजर को घुमाया जाता है।

अतिक्रमण हटता नहीं और बुलडोजर में तेल की खपत की जाती है। इससे राजस्व का नुकसान होता है। बुलडोजर चलाने वाले व्यक्ति को भी तनख्वाह दी जाती है।

अतिक्रमण मुक्त करने के लिए मिली पुलिस

पूर्व में नगर निगम के पास अतिक्रमण हटाने के लिए केवल प्रवर्तन दल था। प्रवर्तन दल में 10 सेवानिवृत्त फौजी हैं जो अतिक्रमण हटाते वक्त निगम की टीम को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कमिश्नरेट लागू होने पर निगम को चार पांच दारोगा और 25 सिपाही दिए गए, जबकि पूर्व में निगम के अधिकारी थाने से फोर्स साथ लेकर जाते थे। थाने से फोर्स नहीं मिलने पर कार्रवाई का दिन आगे बढ़ा देते थे। अब नगर निगम के पास अतिक्रमण हटाने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पत्र लिखकर टाली जाती है कार्रवाई

नगर निगम के अधिकारी अतिक्रमण रोकने के लिए पुलिस को पत्र लिख देते हैं। पुलिस अतिक्रमण हटाने को नगर निगम का काम बताते हुए पत्र का संज्ञान नहीं लेती है। निगम के अधिकारी पुलिस को पत्र लिखने की बात कर कार्रवाई करने की तिथि को आगे बढ़ाते रहते हैं। इस बारे में नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने कहा- अतिक्रमण हटाने के लिए सभी जोनल प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। सभी स्थानों पर अतिक्रमण हटाया जाएगा।

हटाने के बाद पिफर हो जाता है अतिक्रमण

इसे नगर निगम कर्मचारियों की मिली भगत कहें या लापरवाही कि पूरे हिंडन पार में सबसे ज्यादा अतिक्रमण अल्पसंख्यक समुदाय के लोग कर रहे हैं। इतना ही नहीं जिन इलाकों में निगम की तरफ से अतिक्रमण हटाया जाता है वहां अगले दिन ही फिर से अतिक्रमण हो जाता है जिससे सारी कवायद बेकार हो जा रही है।

दादा-दादी के लिए कलयुग के श्रवण कुमार बने गाजियाबाद के चार भाई

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। कलियुग के इस दौर में जहां बच्चे अपने बुजुर्ग माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजने से भी हिचकिचा नहीं रहे हैं, वहीं गाजियाबाद के चार भाइयों ने श्रवण कुमार की तरह अपने दादा-दादी को कांवड़ पर बैठाकर हरिद्वार यात्रा कराकर न केवल उनकी इच्छा पूरी की, बल्कि अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का काम किया है।

अपने दादा-दादी के प्रति इन युवकों के प्रेम और उनकी इच्छा को पूरी करने के इस जज्बे की हर कोई सराहना कर रहा है। श्रवण कुमार ने जहां अपने माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई थी, वहीं कलियुग में गाजियाबाद के चार युवकों ने श्रवण कुमार की तरह ही अपने दादा-दादी को कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार की यात्रा करवाई। हरिद्वार से यात्रा कर गाजियाबाद की ओर जाते समय ये चारों युवक मंगलौर पहुंचे। दादा-दादी के प्रति इनके प्रेम को देखकर हर कोई इन्हें देखने के लिए ठहर गया।

श्रवण कुमार की तरह दादा दादी को हरिद्वार से गंगाजल दिलाकर कंधे पर लाते गाजियाबाद के चार भाई

19 जून को पहुंचे थे हरिद्वार

गाजियाबाद के सलकपुर फरूक नगर निवासी राजवीर सैनी के पुत्र राहुल सैनी, विकास सैनी, सागर सैनी और तरुण सैनी द्वारा अपने दादा 85 वर्षीय धन्नो और दादी 80 वर्षीय बलबीरी की इच्छा को पूरी करने के लिए उन्हें लेकर 19 जून को हरिद्वार पहुंचे थे।

यहां से उन्हें गंगा स्नान कराने के बाद 20 जून को कांवड़ में बैठाकर अपने गंतव्य गाजियाबाद की ओर निकल पड़े। रविवार को मंगलौर पहुंचने पर राहुल सैनी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि दादा-दादी की इच्छा हरिद्वार में स्नान कर गंगाजल लेकर आने की थी, लेकिन बुजुर्ग होने की वजह से वह अपनी इच्छा पूरी नहीं कर पा रहे थे। जब उन्होंने अपनी इच्छा उनको बताई, तब उन चारों भाइयों ने अपने दादा-दादी की इच्छा को पूरा करने की ठानी और दादा-दादी को लेकर हरिद्वार की यात्रा पर आ गए।

'हिंदू बचाओ मोर्चा' गठित, यति नरसिंहानंद चुने गए पहले अध्यक्ष

अध्यक्ष बनते ही बोले यति हिन्दुओं को कुत्ते, कौए, बन्दर और गीदड़ जैसे प्राणियों से सीखना चाहिए

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के डासना स्थित शिव शक्ति धाम में हिंदू बचाओ मोर्चा का गठन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में साधु-संत मौजूद रहे और उनकी मौजूदगी में सर्वसम्मति से महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज को 'हिन्दू बचाओ मोर्चा' का पहला अध्यक्ष चुना गया।

इस अवसर पर मौजूद 'हिन्दू बचाओ मोर्चा' को श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता महन्त नारायण गिरी महाराज और निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर साध्वी अन्नपूर्णा भारती ने पूर्ण समर्थन दिया। अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते ही यति नरसिंहानंद जी महाराज ने कहा कि हिन्दुओं को कुत्ते, कौए, बन्दर और गीदड़ जैसे प्राणियों से सीख लेने की जरूरत है।

शिवशक्ति धाम डासना में हिन्दू बचाओ मोर्चा का पहला अधिवेशन हुआ, जिसमें पूरे देश से आये अन्य कार्यकर्ताओ के साथ श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहन्त नारायण गिरी महाराज और निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर साध्वी अन्नपूर्णा भारती की भी उपस्थिति रही। हिन्दू बचाओ मोर्चा को श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता महन्त नारायण गिरी महाराज और निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर साध्वी अन्नपूर्णा भारती ने भी हिन्दू मोर्चा को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

हिन्दू बचाओ मोर्चा को सबसे पहला समर्थन भूमापीठाधीश्वर दण्डी स्वामी अच्युतानंद तीर्थ महाराज ने हरिद्वार में दिया था।

हिंदुओं को बचाना हिंदू मोर्चा का बड़ा उद्देश्यः नरसिंहानंद

हिन्दू बचाओ मोर्चा के औचित्य के विषय में बताते हुए महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व मे हिन्दुओं की स्थिति बहुत ही दयनीय है, जहां कहीं भी हिन्दू रह रहे हैं। वहां वो इस्लामिक जिहादियों के निशाने पर हैं। कभी सम्पूर्ण विश्व मे सनातन धर्म की पताका पूर्ण स्वाभिमान के साथ फहराती थी लेकिन आज स्थिति ये है कि हिन्दुओ की अंतिम शरणस्थली भारतवर्ष में प्रतिदिन अनगिनत हिन्दू इस्लाम के जिहादियों द्वारा अलग-अलग तरीकों से कत्ल किए जा रहे हैं लेकिन किसी भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिन्दुओं के कत्लेआम पर कोई चर्चा तक नहीं हो रही है। इसका दोषी कोई और नहीं है बल्कि हिन्दू समाज ही है। हमने कभी भी किसी हिन्दू के लिए न्याय मांगा ही नहीं है। हम तो केवल दूसरे हिन्दुओं की लाश पर अपने लिए कुछ धन और राजनैतिक लाभ कमाने में लगे रहे।

जूना अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता और अन्य हिंदू संगठनों का पूरा समर्थन

उन्होंने कहा कि आज हिन्दुओ को अन्य सम्प्रदायों सहित कुत्ते,कौए,बन्दर तथा गीदड़ जैसे जानवरों से भी कुछ सीखने का प्रयास करना चाहिये। हमें ये समझ लेना चाहिए कि अगर दूसरे हिन्दुओं की लाश में हम अपने लिए कुछ तलाश रहे हैं तो हमारी और हमारे परिजन की लाश पर भी एक दिन यही तलाश जारी रहेगी। आज समय है एक एक हिन्दू के लिये लड़ने और आवाज उठाने का।यही हिन्दू बचाओ मोर्चा का एकमात्र उद्देश्य है।हम हिन्दुओ की पीड़ा को दुनिया के हर मंच पर उठाएंगे और हर पीड़ित हिन्दू को न्याय दिलाने के लिए विश्व को मजबूर करेंगे। इस अधिवेशन में दिल्ली,गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, हरिद्वार,हरियाणा, पंजाब,बिहार सहित भारत के कोने कोने से हिन्दू हिन्दू बचाओ मोर्चा के पदाधिकारी भी शामिल हुए।

प्लास्टिक फ्री लगेंगे गाजियाबाद में कांवड़ सेवा शिविर

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। कांवड़ सेवा शिविर को इस बार भी प्लास्टिक फ्री बनाने की कोशिश है। इसी के चलते ही नगर निगम, जिला प्रशासन के साथ मिलकर नया प्लान तैयार करने में जुटा है। जल्दी ही प्लान फाइनल हो जाएगा। दरअसल जल्दी ही शहर में कांवड़ यात्रा शुरू होने जा रही है। इसके लिए यूपी सहित कई प्रदेश सरकार तैयारी कर रही है। मगर नगर निगम गाजियाबाद इस कांवड़ यात्रा के दौरान लगने वाले कांवड़ सेवा शिवर को प्लास्टिक फ्री करने के प्लान पर कार्य कर रहा है। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि पिछली बार भी शहर में जितने भी कांवड़ सेवा शिविर लगाए गए थे सभी कांवड़ सेवा शिविर प्लास्टिक फ्री थे।

इस बार भी नगर निगम प्रशासन इसी को दोहराने की कोशिश में है। इसके लिए जल्दी ही जिला प्रशासन के साथ मिलकर एक कार्य योजना तैयार की जाएगी। इस कार्य योजना के तहत ही शहर में लगने वाले सभी कांवड़ सेवा शिविर को प्लास्टिक फ्री बनाया जाएगा।

कांवड़ सेवा शिविर इस बार भी कई सौ की संख्या में गाजियाबाद जिले में लगाए जाते हैं। नगर निगम का प्लान है कि सभी संस्थाओं से जब वह एनओसी लेने के लिए आएंगी इसके लिए अनुबंध किया जाएगा कि वह शिविर में प्लास्टिक यूज नहीं करेंगे।

दिल्ली के कांवडियों को मिलेगा नया रूट

इस बार कांवड़ यात्रियों के लिए नया रूट खुल जाएगा। ऐसे कांवडिए जो मेरठ की ओर से होकर लोनी और दिल्ली की ओर जाते है वह पाइप लाइन रोड से होकर टीला मोड़ होकर जा सकते है। इस सडक को हाल ही में जल निगम ने बनाकर तैयार कर दिया है। दिल्ली जल बोर्ड की ओर से इसके लिए पैसा दिया गया था। जल निगम ने करीब 19 करोड़ रुपये की लागत से इस सडक को सिंगल लेन से डबल लेन तैयार किया है। करीब 19 किलोमीटर लंबी इस रोड को मुरादनगर में बने दिल्ली जल बोर्ड के गंगावॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से दिल्ली बोर्डर लोनी तक इस पाइप लाइन को बनाया गया था। इससे दिल्ली को करीब साढ़े चार सौ क्यूसेक पानी की सप्लाई हो रही है। कभी सिंगल रोड दिल्ली जल बोर्ड ने ही अपनी पाइप लाइन के रखरखाव को करने के लिए बनाया था। अब इस पाइप लाइन रोड से इस एरिया के करीब आधा दर्जन से अधिक गांव जोड़े गए है। अब इस रोड को डबल लेन कर दिया गया है। इस रोड के डबल होने से इस बार जो लोग कांवड़ लेकर दिल्ली और लोनी जाना चाहते है उनके लिए रास्ता आसान हो जाएगा। साथ ही उनका गाजियाबाद से होकर चक्कर लगाकर जाना भी बचेगा। नई रूट को कांवडियों के लिए तैयार करने में जल निगम जुटा है।

भारती सिंह गाजियाबाद की नई एडीशनल सीपी और शुभम पटेल होंगे डीसीपी

शासन की तबादला एक्सप्रेस में एक दर्जन से अधिक आईपीएस के तबादले

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाने के लिए शासन ने कई जिलों में पुलिस अफसरों के तबादले किए हैं। शासन ने एक दर्जन से अधिक सीनियर एवं जूनियर आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करके उन्हें नये स्थानों पर पोस्टिंग दी है। इस क्रम में गाजियाबाद कमिश्नरेट के डीसीपी रूरल रहे आईपीएस रवि कुमार को आगरा कमिश्नरेट का डीसपी बनाया है, जबकि गाजियाबाद कमिश्नरेट में डीजीपी मुख्यालय में प्रतिक्षारत आईपीएस शुभम पटेल को डीसीपी व गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात भारती सिंह को इसी पद पर तैनात किया है। वहीं प्रयागराज कमिश्नरेट में आईपीएस पवन कुमार को एडिशनल सीपी की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा बलिया के एसपी राजकरन नैय्यर को एसएसपी अयोध्या, डीजीपी मुख्यालय में प्रतिक्षारत आशीष श्रीवास्तव को डीसीपी लखनऊ कमिश्नरेट, डीसीपी आगरा कमिश्नरेट विकास कुमार को एसपी फतेहगढ़, अशोक कुमार मीना को एसपी शाहजहांपुर व पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर, एस आन्नद को एसपी बलिया बनाया है। इसके अलावा मुरादाबाद के डीआईजी शलभ माथुर को उपमहानिरीक्षक अलीगढ़, डीआईजी अलीगढ़ आन्नद राव कुलकर्णी को अपर पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर व अयोध्या के डीआईजी मुनिराज जी को उप महानिरीक्षक मुरादाबाद रेंज बनाया है। डीजी प्रतिक्षारत आशीष गुप्ता को पुलिस महानिदेशक रूल्स एण्ड मैन्यूअल उत्तर प्रदेश लखनऊ, डीजी रूल्स एण्ड मैन्यूअल तनुजा श्रीवास्तव को डीजी विशेष जांच, पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड में तैनात आईजी, एडीजी पदद्मजा चौहान को एडीजी अग्निशमन एवं आपात सेवाएं मुख्यालय लखनऊ और डीआईजी पीटीसी उन्नाव राजीव मल्होत्रा को पुलिस उप महानिरीक्षक उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीटद्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज बनाया है।

एडिशनल सीपी भारती सिंह

डीसीपी रवि कुमार

डीसीपी शुभम पटेल

एडिशनल सीपी पवन कुमार

डीआईजी मुनि राज

सूत्रों का कहना हैं कि गाजियाबाद में तैनात अपर पुलिस आयुक्त दिनेश पी जल्द ही किसी रेंज में तैनात किए जा सकते हैं। शासन की तरफ से अगले कुछ दिनों और भी कई आईपीएस के तबादले होंने की जानकारी मिली है? साथ ही जिले में कई एसीपी की भी आमद होंने की सूचना है।

बता दें कि डीसीपी रूरल रवि कुमार की जगह गाजियाबाद में डीसीपी पद पर आमद करने वाले शुभम पटेल पूर्व में अपर पुलिस अधीक्षक अलीगढ़ व पुलिस अधीक्षक हमीरपुर के पद पर तैनात रहे है।

जबकि नोएडा में 2007 की आईपीएस एडीशनल सीपी भारती सिंह इसी पद पर गाजियाबाद में दिनेश पी की जगह लेंगी या उन्हें उसी के समानतंर कोई दूसरी जिम्मेदारी मिलेगी जल्द ही साफ हो जाएगा।

नारद मुनि की नगर परिक्रमा

नल से फूल वाली पार्टी में आते ही नेता जी बोले ऐसे प्रदेश अध्यक्ष बहुत देखे हैं

फूल वाली पार्टी में इन दिनों अध्यक्षों के बदलाव के साथ ही नये दावेदारों की दौड़ तेज हो गई है। यह पता नहीं वर्तमान बदले जायेंगे या नहीं, लेकिन दावेदार तो ताल ठोंक कर मैदान में है। ऐसे ही पार्टी के एक जिले के पदाधिकारी का नाम सबसे अधिक चर्चा में है, वे कहते हैं अध्यक्ष तो मैं ही बनूंगा, कौन रोक लेगा। पहले ये नल वाली पार्टी में हुआ करते थे, लेकिन तेज चाल से पिछले बार महत्वपूर्ण पद हासिल कर लिया। अब पिछले एक वर्ष से ये जिले के अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे तेज चल रहे हैं। नारद जी को पता चला कि इन महाशय ने यहां तक कह दिया ऐसे प्रदेश अध्यक्ष बहुत देखे हैं, बस वक्त की ... हो रही है। अब बात निकली है तो दूर तलक जायेगी। देखना यह है कि यह बात कितनी दूर तक जायेगी।

नामांकन करना था या ड्रामा

पिछले दिनों जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर्स के चुनाव हुए। नामांकन के समय पंजे वाली पार्टी के जिले के मुखिया भी नामांकन के लिए पहुंचे। अब सबसे पहले उन्होंने अपने समकक्ष अध्यक्ष और संभावित चेयरमैन को बधाई दे दी। इसके बाद जब नामांकन फार्म लेने की बात आई तो कहने लगे मतदाता सूची में नाम देखकर आता हूं। बात यहीं तक नहीं थी, बाहर से फिर अफसरों को फोन करने शुरू कर दिये कि अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। अब कोई उनसे पूछे कि पहले नामांकन के लिए अंदर आये थे तो नामांकन फार्म क्यों नहीं खरीदा। अब चुनाव अधिकारी कहते हैं हमारा तो एक हजार रुपये का नुकसान हो गया। हालांकि चर्चा है कि यह नूरा कुश्ती थी या वाकई में नामांकन करना था।

कहानी अभी जारी है, नया तमाशा, नया मदारी है

कहानी अभीजारी है नया नया तमाशा है नया नया मदारी है निगम की कहानी के इस बार किरदार कुछ जुदा जुदा हैं। किसी को कहानी से अलग कर दिया गया तो कोई पहली ही बार में जीतकर विकास का खुदा हो गया है। विकास की इस कहानी में निगम वाले क्लर्क ने कहा कि वर्क करना है हमें,वर्क करना वर्क आर्डर मिलने के बाद ठेकेदार को। तर्क करना है उसे जिसे ना वर्क मिलना जिसकी ना क्लर्क सुनना उसे तो बस ढाई परसेंट वाला लिफाफा मिलना हैं। मेयर निकल रही हैं, मेयर नाराज हो रही हैं, मेयर अफसरों को बता रही हैं,मेयर ये कर रही है मेयर वो कर रही हैं जैसे सवालो के बीच निगम के बाबू ने कहा डोंट वरी सब काबू में हैं था और रहेगा। हर नई ट्रेन के आने पर प्लेटफार्म पर हलचल होती है लेकिन उस हलचल का उस पर कोई फर्क नही पड़ता। आपको पता नही है कि यहां शहर के विकास में सबकी हिस्सेदारी हैं। कहानी अभी जारी है नया नया तमाशा है नया नया मदारी है।

अब तो रात गई बात गई

निगम वाला चुनाव निबट गया किसी का पालिटिकल कैरियर सिमट गया तो किसी को लग रहा है कि बेकार में ही बेगार कर ली इस पार्टी में हमने तो। जो कह रहे थे बहार हम से हैं, वो ही बाहर हो गये। जिन पर भरोसा था कि हमारे हक में बोलेगें हमारे लिये चुनावी लक खोलेगें, उन्होने तो वक्त आने पर लब भी नही खोलें। जब बोलनेकी बारी थी, तबही नही बोले। आग दिलों में सुलग रही है और बरसात वाले दिन जुंबा पर उनकी शोले थे। फूल वाले फलाने जी भाईसाहब ने किसी बात पर टिकट वंचित से साथ देन की बात कही तो पुराने जख्म उभर आये और फिर उसने मन में संचित सकल ज्वाला बाहर रख दी। चार लोगो के बीच ललकार स्वर में उन्होने कहा किअब किसी के साथ की कोई जरूरत भी नही रही। अगर साथ देना था तो तभी दिया होता,हमारे लिये एक फोन ही कर दिया होता। हमारी भी हिमायत हुई होती तो हम भी जनप्रतिनिधि हो जाते।

वार्ड उम्मीदवार को खोज रहा होर्डिंग वाला

नगर निगम इलेक्शन के बाद जीते हुये तो सेल्फी रोज ले रहे हैं लेकिन हारे हुये नजर नही आ रहे हैं। एक वार्ड में तो फूल वाला दूसरी बार भी हार गया और उसने जनसेवा से ही वीआरएस की घोषणा कर दी। चुनावों में जिनके पर्चे छपे थे अब खर्चे के तकाजे उन पर हो रहे हैं। वार्ड के एक उम्मीदवार ने तो कतई कमाल ही कर दिया और खर्चे के पर्चे को उसने रिजेक्ट कर दिया। चुनाव के बाद पेमेंट देने की बात कही थी और अब उसने कह दिया किजब मैं चुनाव ही हार गया तो भुगतान कैसा। किस्से के किरदार ही बता रहे हैं कि आठ हजार के भुगतान को लेकर किसी भी दिन चौड़े में घमासान होना है। बैनर होर्डिंग वाला वार्ड का चुनाव लड़े उम्मीदवारको ढूंढ रहा है। उसने कह दिया है कि पेमेंट मिले ना मिले मैं इसके नाम का एक बैनर लगाकर अपनी शाप के बाहर टांग दूंगा। चुनाव तुम लड़े चुनाव तुमहारे मेरा भला इससे क्या लेना देना। मुझे तो बस इतना बता दो कि आप मेरे आठ हजार रूपये का भुगतान कब तक कर दोगे।

जिसे नोटिस थमाया वो पार्षद बनकर आया

नगर निगम के एक यादव सुपरवाईजर ने अप्रैल महीने में जिन्हे निगम का नोटिस थमाया था वो अब निगम के पार्षद बनकर आ गये हैं। दरअसल तब नेताजी ने सबका साथ सबका विकास नारे के साथ पार्क की दीवारे पोत दी थी। उद्यान वाले सुपरवाईजर ने इसे गलत माना और नोटिस भेज कर बताया कि नेता जी ये पार्क तो सरकारी प्रापर्टी हैं और सबके साथ और सबके विकास से दीवारे खराब हो गई हैं। सबका साथ सबका विकास को निगम के सुपरवाईजर ने राजनीतिक प्रचार बताया और ये भी समझाया कि निगम के जितने भी पार्क हैं, वो सब सरकारी सम्पत्ति हैं। रंगाई पुताई का खर्च, दंड स्वरूप लेने की बात प्रभारी से कही। बीस दीवारों पर सबका साथ सबका विकास फूल वाले ने कराया था। टिकट भी विकास वालों को मिला और चुनाव भी वो जीत गये। सुपरवाईजर जिनसे दंड वसूलने की बात कह रहे थे वो नेताजी सबके साथ से चुनाव जीतकर आ गये हैं। अब सुपरवाइजर जी नजरें चुरा रहे हैं और घबरा रहे हैं।

अफसरों की भरमार, कुर्सियों की मारामार

पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद अब गाजियाबाद में लगता हैं कि कुर्सी के लिए घमासान बचने वाला हैं। दरअसल कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में लगातार अधिकारियों की संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन जिस संख्या में अधिकारी आ रहे हैं उस अनुपात में ना तो कार्यालय हैं और नाही ऐसी व्यवस्थाएं हैं। बीते दिनों जिले में आए एसीपी और एडीसीपी स्तर के अधिकारियों को ही अभी तक कार्यालय और तमाम सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। इसी बीच जिले में आईपीएस अधिकारियों के आने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। कहने वाले कहते हैं कि जो गाजियाबाद जिला कभी चंद्र आईपीएस अधिकारियों के दम पर संचालित होता था कमिश्नरेट सिस्टम बनने के बाद उसमे झोला भरकर आईपीएस अधिकारी भेजे गए है। एक आईपीएस अधिकारी के आने पर उसके लिए तमाम बंदोबस्त किए जाते हैं। कार्यालय से लेकर नई गाड़ी, पुलिसकर्मी, सुरक्षाकर्मी, आवास और आवास पर फॉलोवर्स की व्यवस्था भी कराई जाती है। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट का हाल ये है कि अभी भी कई अधिकारी स्तर के कार्यालय बिना कुर्सी के हैं। तो वहीं कुछ अधिकारी अभी भी अपने लिए नए इंतजाम खोजने में जुटे हुए हैं। कुल मिलाकर हाल यह है कि कुछ भी तय नहीं है और कुछ भी निश्चित नहीं है। इन सबके बीच कुछ अधिकारी यहां से अपनी रवानगी चाहते हैं तो कुछ बस तबादला लिस्ट के वेट में हैं। पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के हाल की चर्चा पुलिस मुख्यालय से लेकर कई और जिलों और कमिश्नरेट में भी सुनने को मिल रही है। कहा तो जा रहा है कि अभी जून और जुलाई में आना जाना लगा रहेगा। अब जाहिर है कि नए अधिकारियों के नाम लिस्ट में जुड़ेंगे तो कुर्सी के लिए शोर और तेज होगा। वैसे भी कमिश्नरेट में जिस तेजी से सर्किल और थाने बढ रहे हें तो उपर के अफसर भी बढेंगे जिसे देखते हुए कुर्सी के लिए शोर की आवाज तेज होना तय है।

निर्विरोध बनी गाजियाबाद नगर निगम की कैबीनेट

पहली बोर्ड बैठक में ही मेयर ने भ्रष्टाचारी व अतिक्रमणकारियों को दिखाए तेवर

कार्यकारिणी में बीजेपी के 9, कांग्रेस, सपा व निर्दलीय के 1 सदस्य समेत निर्विरोध चुने गए 12 सदस्य

संवाददाता@visheshkhabar.in

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम की पहली बोर्ड बैठक की पहली उपलब्धि ये रही कि 12 नगर निगम कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध चुने गए। इनमें भाजपा के 9 सदस्य सहित कांग्रेस, सपा और निर्दलीय के एक-एक सदस्य चुने गए। लेकिन भाजपा के लिए ये झटका भी कहा जाएगा कि अपनी रणनीति के अनुसार वो कार्यकारिणी में दस सदस्य चुनकर नहीं भिजवा सकी, इसलिए आखरी समय में उसने अपने एक सदस्य का नामांकन वापस करा लिया। हांलाकि भाजपा इसे विपक्ष की खरीद फरोख्त रोकने के लिए उठाया गया कदम बता रही है लेकिन असल बात ये है कि भाजपा निर्दलीय को अपने पाले में लाने की रणनीति पर काम नहीं कर सकी।

भाजपा ने ऐन वक्त पर धीरज अग्रवाल का नाम वापस ले लिया। जिस पर मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि कार्यकारिणी के सदस्यों के चुनाव में वोटों की खरीद-फरोख्त होने की जानकारी मिली थी। इसलिए भाजपा ने एक उम्मीदवार का नाम वापस लेकर अपने पार्षद की कुबार्नी देकर लोकतांत्रिक व्यवस्था में खरीद-फरोख्त को रोका है और चुनाव निर्विरोध कराया है। कार्याकारिणी चुनाव के बाद मेयर ने कहा कि गलत करने वालों पर मेरी निगाह बनी रहेगी। महापौर सुनीता दयाल ने अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई का ऐलान किया।

निगम कार्यकारिणी के सदस्यों के लिए हुए नामांकन की प्रक्रिया कार्यकारिणी के 12 सदस्यों के लिए 13 पार्षदों ने नामांकन भरा था। भाजपा ने चुनाव मैदान में 10 पार्षदों को उतारा था। भाजपा चुनाव को निर्विरोध कराना चाह रही थी। इस वजह से अंतिम समय चुनाव मैदान से वार्ड 81 से पार्षद धीरज अग्रवाल का नामांकन पत्र वापस कराया गया। इसके साथ ही निर्विरोध चुनाव संपन्न हो गए।

पहली बोर्ड बैठक में महापौर सुनीता दयाल ने अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण करने वालों को जेल भेजा जाएगा। इस तरह महापौर ने स्पष्ट कर दिया है नगर निगम में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए सख्त से सख्त कार्रवाई से परहेज नहीं किया जाएगा।

एक सवाल के जवाब में महापौर ने कहा कि नगर निगम उन दुकानों के किराए की जांच की कराएगी, जिनकी कीमत लाखों में पहुंच गयी है और किराया नाम पात्र का आ रहा है। वहीं, इलाकों में निर्माण का काम पार्षदों के चहेतों ठेकेदारों के देने के संबंध में उन्होंने कहा कि मामला सदन में उठाया जाएगा। ठेकेदार कोई भी हो, नगर नगर निगम के शर्तों को पूरा करना अनिवार्य होगा। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्यकारिणी के लिए चुने गए पार्षद

कार्यकारिणी के सदस्य बने पार्षदों में बीजेपी से नौ, सपा और कांग्रेस से एकझ्एक पार्षद और एक निर्दलीय शामिल है। बीजेपी से पार्षद प्रवीण कुमार, मनोज त्यागी, राजकुमार भाटी, गौरव सोलंकी, राजीव शर्मा, रामनिवास बंसल, यशपाल पहलवान, रेखा गोस्वामी, शीतल देओल और कांग्रेस से पार्षद अजय शर्मा, सपा से आदिल मलिक, निर्दलीय धीरेन्द्र यादव शामिल हैं।

तीन पुराने, छह नए को बनाया सदस्य

निगम कार्यकारिणी चुनाव को लेकर खास दाव खेला। पहली बार कार्यकारिणी में भाजपा के नए पार्षदों का दबदबा रहेगा। दरअसल भाजपा में लंबे समय से इस बात को लेकर घमासान मचा था कि कार्यकारिणी में नए पार्षद चुनाव मैदान में उतारे जाए या फिर पुराने पार्षदों को को चुनाव मैदान में उतारा जाए। भाजपा महानगर अध्यक्ष जहां नए पार्षदों का कार्यकारिणी में भेजना चाहते थे तो मेयर साथ में कुछ पुराने अनुभवी पार्षदों को कार्यकारिणी में रखना चाहती थी। आखिर जद्दो जहद के बाद तीन पुराने पार्षदों राजीव शर्मा, प्रवीन चौधर एवं यशपाल पहलवान के साथ छह नए पार्षदों को निगम बोर्ड की कार्यकारिणी का सदस्य चुना गया।

विशेष खबर मीडिया समूह के प्रधान संपादक बने ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद। देश में ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए काम करने वाली ब्राह्मणों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा पंजी. की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी पिछले दिनों घोषित कर दी गई हैं। जिसमें विशेष खबर मीडिया समूह के प्रधान संपादक और समाजसेवी विनीतकांत पाराशर को संस्था का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इससे पहले पाराशर संस्था में लगातार तीन साल तक राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफल निर्वहन करते रहे हैं।

बता दें कि 21 मई को मेरठ में आयोजित महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में पं. बी डी शर्मा को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में ही अगले साल के लिए 25 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शुक्रताल धाम के पुष्कर कृष्ण जी महाराज व पं. शिवलाल कृष्णा त्रेय को संरक्षक चुना गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. बी डी शर्मा के साथ पं. सुरेश चंद दूबे को वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा पं. प्रमोद हितैषी, पं. सुरेन्द्र पांडे, पं. वेद प्रकाश शर्मा, पं. सुनील वत्स, पं. रघुनाथन, पं. के के शर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पं. शिव मोहन भारद्वाज व पं. सुधीरकांत शर्मा को राष्ट्रीय महामंत्री, पं. विनीत कांत पाराशर को कोषाध्यक्ष, पं. शिवकुमार शर्मा राष्ट्रीय प्रवक्ता, पं. राधे श्याम शर्मा संगठन मंत्री, पं. रविदत्त शर्मा प्रचार सचिव, पं. शिवकुमार शर्मा, पं. बाबू राम शर्मा, पं. हुकुमचंद शर्मा, पं. अतुल आत्रे, पं. दीपक शर्मा, पं. सुरेश चन्द्र कौशिक को राष्ट्रीय सचिव और पं. विक्रम दत्त शर्मा को राष्ट्रीय कार्यालय का प्रभारी मनोनीत किया गया।

समाजवादी पार्टी गाजियाबाद की बहुप्रतिक्षित जिला व महानगर कमेटी का आखिर हो गया ऐलान

विशेष संवाददाता@visheshkhabar.in

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी की जनपद गाजियाबाद व महानगर की 51 सदस्यीय जिला और महानगर कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है।

समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट एव महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट ने 0प्र0 विधान परिषद के पूर्व सदस्य जितेन्द्र यादव, पूर्व विधायक असलम चौधरी, धर्मवीर डबास, नाहर सिंह यादव, मधु चौधरी, साजिद हुसैन, राज देवी चौधरी, अभिषेक गर्ग, आनंद चौधरी, रश्मि चौधरी, संतोष यादव, आदिल मलिक, विकास यादव, बाबू सिंह आर्य, रमेश यादव एडवोकेट की उपस्थिति में नई कमेटी का ऐलान किया।

सपा के जिला महानगर कमेटी में जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट के साथ उपाध्यक्ष पद के रूप में विशाल वर्मा, प्रवेश

बसोया, सत्येंद्र शर्मा, संजीव चौधरी, अमित बग्गा और नितिन त्यागी को मनोनीत किया गया तो वही

जिला महासचिव के रूप में अमन यादव एवं कोषाध्यक्ष के रूप में दीपक गोयल को जिम्मेदारी दी गई। जिला सचिव के पद पर श्रीमती कमलेश चौधरी, सोदान कसाना कर्मवीर सिंह जाटव, अमत कुमार, मुकेश यादव, दीपक त्यागी, दिग्विजय सिंह देसवाल, मुफीद आलम, मुस्तफा अली, किशन कुमार मनीराम यादव, वाहिद कुरेशी, वसीम, इकरामुद्दीन प्रवीण आर्य, सचिन कुमार, अमित यादव, बिट्टू सिंह, अवधेश यादव, नानक चंद प्रजापति और आशु अब्बासी को मनोनीत किया गया। जिला सदस्य के रूप में बलराज कसाना, शिवानंद चौबे, शारदानंद मिश्रा, विवेक त्यागी, अरमान कुरेशी, सत्येंद्र सिंह, भगत, नुसरत अली, समीर मलिक, मोहम्मद नासिर अंसारी, रामपाल सिंह, भूपेंद्र गौतम, कादिर, राघवेंद्र मौर्य, सचिन चौहान, जितेंद्र कुमार, अरविंद यादव, एम अब्बासी हैदर, मुकीम अब्बासी, फिरोज, माजिद खान और माजिद ठाकरान को मनोनीत किया गया।

जिले की कमेटी में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पूर्व विधान परिषद सदस्य जितेंद्र यादव, राकेश यादव, पूर्व विधायक असलम चौधरी, हाजी जाकिर अली समेत रमेश प्रजापति, साजिद हुसैन, राम दुलार यादव, रामकिशोर अग्रवाल, जलालुद्दीन सिद्दीकी, नाहर सिंह यादव, सरदार मंजीत सिंह, राशिद मलिक, राज देवी चौधरी, मधु चौधरी, अभिषेक गर्ग, एडवोकेट रमेश यादव, मधुकर सिंगल, कालूराम धामा, अनिल यादव, महबूब लारी और पंकज शर्मा को मनोनीत किया गया है।

जबकि महानगर कमेटी अध्यक्ष एडवोकेट वीरेंद्र यादव के साथ उपाध्यक्ष के रूप में जय वीर सिंह, मोहम्मद कल्लन, मनोज पंडित, योगेश सिरोही, गुलाब यादव और राहुल त्यागी को मनोनीत किया गया तो वही महासचिव के रूप में राजन कश्यप एवं कोषाध्यक्ष के रूप में प्रेमचंद गुप्ता को मनोनीत किया गया।

महानगर सचिव के पद की जिम्मेदारी अनुष्का, निशू तोमर, प्रताप पाल, जितेंद्र कुमार जाटव, गौरव तिवारी, लोकेश यादव, हाजी मोहम्मद अफसर, मोनू चौहान, ललित यादव, नवीन कुमार, विनोद कश्यप, सतपाल प्रजापति, अरुण कुमार वाल्मीकि, वीरेंद्र यादव उर्फ बिन्नू ,राजन, सिराजुद्दीन ,जिले खान, फारुक सिद्धकी, सोनू सैफी, महेश कुमार और रोहताश कुमार को दी गई।

गाजियाबाद: क्या ब्राह्मण नेता को मिलेगी कांग्रेस जिलाध्यक्ष की कमान

कांग्रेस पार्टी खोई जमीन पाने के लिए पुराने समीकरण और फामूर्ले पर फिर से लौट रही है , ब्राह्मणों को संगठन में मिलेगी खास तरजीह

विशेष संवाददाता @visheshkhabar.in

गाजियाबाद । कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया है। नगर निकाय चुनाव से पहले से ही पार्टी में बड़े बदलाव के संकेत मिलने लगे थे। चुनाव परिणाम आने के बाद अब यह पुख्ता हो चुका है कि कांग्रेस संगठन में तरोताजा करने और मजबूती देने के उद्देश्य से स्थानीय संगठन में जल्द बड़ा बदलाव कर सकती है। जनपद में राजनीतिक समीकरण मजबूत करने के उद्देश्य से पार्टी किसी ब्राह्मण नेता को जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंप सकती है। बताया जा रहा है कि जुलाई की शुरूआत में कांग्रेस का प्रदेश हाईकमान संगठन में जिम्मेदारी तय कर देगा।

दरअसल, किसी जमाने में कांग्रेस यूपी में ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम पर दांव खेलकर बाजी जीत लिया करती थी। कांग्रेस की ओर देखकर लगने लगा है कि पार्टी अपने पुराने फामूर्ले पर फिर से लौट रही है। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी और प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दकी ने दलित मतदाताओं में जाकर उन्हें साधने की कवायद शुरू कर दी है। गत

दिनों जिस तरह से दोनों नेताओं ने गाजियाबाद आकर दलित और मुस्लिम मतदाताओं से बातचीत की, यह इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस अपनी खोई जमीन फिर से पाने के लिए पुराने समीकरण पर काम कर रही है। कांग्रेस के वर्तमान के जातीय समीकरण पर गौर किया जाए तो जिला एवं महानगर अध्यक्ष दोनों ही ओबीसी बिरादरी से आते हैं। महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी जाट हैं और जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र यादव बिरादरी से आते हैं।

कांग्रेस के पुराने समीकरण पर गौर किया जाए तो जनपद में कांग्रेस पार्टी ने ब्राह्मण को संगठन में कहीं ना कहीं जगह जरूर दी है। खासकर, महानगर संगठन की कमान ब्राह्मण के हाथों में ही रही है। कांग्रेस के महानगर संगठन की बात की जाए तो लाला बालकिशन महानगर संगठन के पहले अध्यक्ष थे। उसके बाद पंडित अमृतलाल शर्मा, सरदार गुलाब सिंह, एलएन स्वामी कार्यवाहक अध्यक्ष, स्वतंत्र यादव, सुरेन्द्र कुमार मुन्नी, बिजेन्द्र यादव, ओमप्रकाश शर्मा, वीके अग्निहोत्री, फिर से ओमप्रकाश शर्मा, नरेन्द्र भारद्वाज, मनोज कौशिक और फिर लोकेश चौधरी को पार्टी हाईकमान ने गाजियाबाद में महानगर अध्यक्ष बनाया। जिले की बात की जाए तो चौधरी हुकुम सिंह से इस पद की शुरूआत हुई। उसके बाद वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी, पूर्व मंत्री दीपा कौल, राजपाल त्यागी निवाड़ी वाले, उदयवीर गुर्जर, पूर्व विधायक गजराज सिंह, बिजेन्द्र यादव, हरेन्द्र कसाना और वर्तमान में फिर से बिजेन्द्र यादव को जिले की जिम्मेदारी दी गई।

वर्तमान में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव की तैयारियों को पुख्ता करना है। इसके लिए पार्टी को गाजियाबाद में सियासी समीकरण भी साधने होंगे। पार्टी के सूत्रों के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष और प्रांतीय अध्यक्ष ने दलित और मुस्लिम मतदाताओं में संदेश देना शुरू कर दिया है कि कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जो लोकसभा चुनाव में भाजपा को मजबूती के साथ जवाब दे सकती है।

गत दिनों गाजियाबाद के दौरे पर आए बृजलाल खाबरी और नसीमुद्दीन सिद्दकी ने यह बात डंके की चोट पर दलित और मुस्लिम मतदाताओं के सामने कही। दोनों यह भी जानते हैं कि विधानसभा चुनाव 2022 के बाद से दलित मतदाताओं की आंखों पर चढ़े बसपा के चश्मे और मुस्लिम मतदाताओं की आंखों पर चढ़े समाजवादी पार्टी के चश्मे की रोशनी धुंधली पड़ी है। इसे ही ध्यान में रखकर प्रदेश एवं प्रांतीय अध्यक्ष पश्चिमी यूपी में लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं।

पार्टी के सूत्रों के अनुसार कांग्रेस को अब ब्राह्मणों को साधने के लिए मजबूती के साथ कदम उठाना है। ऐसे में किसी मजबूत, कर्मठ, जुझारू और साफ छवि वाले ब्राह्मण मतदाताओं को जिलाध्यक्ष बनाए जाने की जिम्मेदारी कांग्रेस में सौंपी जा सकती है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की रणनीति क्या होगी इसका जल्द ही खुलासा होगा?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक विनीतकांत पाराशर द्वारा विवेक पब्लिशर ए - 16, सेक्टर 7 नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर सैकेंड ए-288 नेहरूनगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश - 202001 से प्रकाशित किया। संपादक-विनीतकांत पाराशर